

दो नाबालिग लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश का आरोप, 3 गिरफ्तार

गिर सोमनाथ, एजेंसी। जिले के कोडीनार की दो नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर मेहसाणा जिले के ऊझा तालुका स्थित उनावा गांव ले जाने और कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि दोनों को मीरा दातार दरगाह में तीन दिन तक रखा गया। इस दौरान बुर्का पहनाने, नाम बदलने और एक लड़की की शादी कराने की तैयारी की गई। मामले में कोडीनार पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ कैस दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी फरार है। पुलिस के मुताबिक, कोडीनार इलाके की दोनों लड़कियों के लापता होने पर परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सर्विलांस की मदद से तलाश शुरू की। जांच में दोनों की लोकेशन उनावा गांव में मिली। इसके बाद कोडीनार पुलिस स्थानीय पुलिस की मदद से मीरा दातार दरगाह पहुंची, जहां दोनों लड़कियां बुर्क में मिलीं।

जमानत रद्द होने पर अनंत सिंह बोले— अदालत में करुंगा सरेंडर

पटना। दुलारचंद यादव हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट से जमानत रद्द होने के बाद मोकामा के विधायक अनंत सिंह ने कहा है कि वह अदालत के आदेश का पालन करते हुए सरेंडर करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा है और अदालत जहां तथा जब कहेगी, वह आत्मसमर्पण कर देंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एक दिसंबर तक सरेंडर करने का निर्देश दिया है। अनंत सिंह ने कहा कि वह किसी अन्य व्यक्ति के पास नहीं, बल्कि सीधे अदालत में पेश होंगे। उन्हें उम्मीद है कि न्यायालय से दोबारा जमानत मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि जेडीयू के नेता उनसे अब भी मिल रहे हैं, जबकि उनके बेटे के चुनाव लड़ने को लेकर फैसला बाद में होगा। पार्टी से निकाले जाने के सवाल पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। विधायक ने जेडीयू के नवनिर्वाचित एमएलसी नीरज कुमार पर दुलारचंद यादव की हत्या करवाने का आरोप लगाया। उनका दावा है कि घटना के समय वह घटनास्थल से करीब पांच किलोमीटर दूर थे और उन्हें इसकी जानकारी बाद में मिली। उन्होंने आरोप लगाया कि नीरज कुमार ने उनके खिलाफ मामला अदालत तक पहुंचाया। ये आरोप अनंत सिंह ने लगाए हैं; इनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

कम दृश्यता के कारण रांची एयरपोर्ट पर उड़ाने प्रभावित, चार उड़ाने लेट और एक हुई रद्द

रांची। कम दृश्यता के कारण शुरुवार सुबह बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उड़ाने प्रभावित रहीं। इस्का अवर विमानों के आगमन और प्रस्थान दोनों पर पड़ा। सुबह से ही एयरपोर्ट पर यात्रियों की परेशानी बढ़ गई। रांची से कई शहरों के लिए जाने वाले यात्री भी उड़ानों के परिचालन को लेकर असमंजस में रहे। वहीं दूसरे शहरों से रांची आने वाले चार विमान तय समय पर नहीं पहुंच सके। इस कारण यात्रियों को एयरपोर्ट पर ही इंतजार करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक सुबह 7:15 बजे दिल्ली से रांची आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 2039 विलंबित रही। इसके बाद सुबह 7:30 बजे पुणे से आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 6484 भी निर्धारित समय पर नहीं पहुंची। सुबह 9:20 बजे दिल्ली से रांची आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या आईएक्स 1046 और सुबह 9:30 बजे बेंगलुरु से आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या आईएक्स 1239 भी विलंबित रही। वहीं सुबह 8:15 बजे कोलकाता से रांची आने वाली इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 7461 रद्द रही। हालांकि, इस उड़ान के रद्द होने की सूचना यात्रियों को पहले ही दे दी गई थी। इस कारण संबंधित उड़ान के यात्री एयरपोर्ट नहीं पहुंचे। फिलहाल दिल्ली, पुणे और बेंगलुरु से आने वाली फ्लाइट अपनी उड़ान रांची लिए भरी। दूसरी ओर कम दृश्यता के कारण सुबह से विमान परिचालन प्रभावित होने से यात्रियों को अपनी यात्रा के लिए इंतजार करना पड़ा।

घरेलू हिंसा के मामलों पर राष्ट्रीय महिला आयोग सख्त, 25 से अधिक शिकायतों की हुई सुनवाई

देहरादून (शिखर समाचार)। महिलाओं की समस्याओं के समाधान, उनके अधिकारों की रक्षा और महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरुवार को पुलिस लाइन सभागार में राष्ट्रीय महिला आयोग, आपके द्वार अभियान के तहत महिला जनसुनवाई आयोजित की गई। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर की अध्यक्षता में हुई इस जनसुनवाई में 25 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें अधिकांश मामले घरेलू हिंसा और महिला उत्पीड़न से संबंधित थे। अध्यक्ष ने पीड़ित महिलाओं की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और पुलिस तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रभावो कार्रवाई कर पीड़िताओं को न्याय दिलाने के निर्देश दिए। विजया रहाटकर ने कहा कि महिलाओं के प्रति हिंसा और उत्पीड़न किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। प्रत्येक महिला को सम्मान और समानता के साथ जीवन जीने का अधिकार है। महिलाएं परिवार, समाज, प्रशासन, शिक्षा और विज्ञान सहित हर क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं। इसके बावजूद महिलाओं के प्रति सोच में सकारात्मक बदलाव लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के साथ भेदभाव करना, उन्हें नीचा दिखाना या अधिकारों से वंचित रखना गलत है। महिला सशक्तिकरण के लिए उन्हें सम्मानजनक वातावरण देने के साथ उनकी शिकायतों पर संवेदनशीलता और तत्परता से कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि हिंसा, उत्पीड़न या किसी संकट की स्थिति में चुप न रहें और



अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाएं। उन्होंने बताया कि आपातकालीन पुलिस सहायता के लिए 112, महिला हेल्पलाइन के लिए 181, राष्ट्रीय महिला आयोग की कार्डसलिंग हेल्पलाइन के लिए 14490 और महिला सुरक्षा हेल्पलाइन के लिए 1091 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा बाल सहायता के लिए 1098, साइबर अपराध की शिकायत के लिए 1930 तथा राष्ट्रीय महिला आयोग की 24 घंटे उपलब्ध हेल्पलाइन 7827170170 की जानकारी भी दी गई। जनसुनवाई में वन स्टॉप सेंटर ऐप, 112 ऐप और रक्षा ऐप के उपयोग के बारे में भी बताया गया। वन स्टॉप सेंटर ऐप हिंसा से प्रभावित महिलाओं को उपलब्ध सहायता सेवाओं की जानकारी देता है। 112 ऐप आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता से जुड़ा है, जबकि रक्षा



ऐप के माध्यम से आपात स्थिति में एक बटन दबाकर अपनी लोकेशन परिजनों और करीबी लोगों के साथ साझा की जा सकती है। अध्यक्ष ने कहा कि महिला उत्पीड़न के मामलों में परिवार, समाज, पुलिस और संबंधित विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है कि पीड़ित महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, पुलिस महानिरीक्षक निलेश भरणे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून परमंद डोभाल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के. मिश्रा, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जया बलुनी, बाल कल्याण समिति एवं वन स्टॉप सेंटर की अधीक्षिकाओं सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कुंभ-2027 की तैयारियों ने पकड़ी रफ्तार, मेलाधिकारी ने चार प्रमुख क्षेत्रों का किया निरीक्षण

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कुंभ मेला-2027 को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए मेला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में मेलाधिकारी सोनिका ने शुक्रवार को बैरागी कैंप, नया टापू, सती द्वीप, दक्ष द्वीप और कनखल क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरा करने और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने शिविर स्थलों पर भूमि की सफाई, समतलीकरण, अस्थायी संपर्क मार्गों, बिजली और पेयजल आपूर्ति सहित सेक्टर योजना के अनुरूप विकासित की

जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने सेक्टर-12 स्थित नया टापू तक पहुंचने वाले संपर्क मार्ग को बेहतर बनाने तथा आवागमन की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम करने को कहा।

पुल निर्माण में तेजी लाने के निर्देश मेलाधिकारी ने सतीघाट से बैरागी कैंप को जोड़ने के लिए निर्माणाधीन 48 मीटर लंबे पैदल पुल का निरीक्षण किया। इसके अलावा दक्ष द्वीप और बैरागी कैंप के बीच वन रहे 60 मीटर स्पान के स्टील गर्डर डबल लेन पुल की प्रगति भी देखी। उन्होंने दोनों कार्यों में तेजी लाने और निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। दरिद्रभंजन महादेव मंदिर के समीप मायापुर स्कैप चैनल पर प्रस्तावित बैली ब्रिज का निरीक्षण कर निर्माण तत्काल शुरू कराने को कहा। साथ ही



पुल से कनखल को जोड़ने वाली सड़क के संकरे हिस्से को चौड़ा करने के लिए संबंधित भूस्वामियों से वार्ता कर आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

घाटों की मरम्मत और सुरक्षा पर जोर बैरागी कैंप क्षेत्र में स्कैप चैनल पर निर्माणाधीन 260 मीटर लंबे घाट का निरीक्षण करने के बाद मेलाधिकारी ने कनखल के विभिन्न सार्वजनिक घाटों

प्रदीप पूर्णकर की हत्या के मुख्य साजिशकर्ताओं को संरक्षण दे रही महाराष्ट्र सरकार

● आदित्य ठाकरे ने लगाए आरोप, कहा- न्याय नहीं मिला तो निकालेंगे विशाल मोर्चा



मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार पर पार्टी नेता प्रदीप पूर्णकर की हत्या के मुख्य साजिशकर्ताओं को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। शिवसेना (यूबीटी) के मानपाड़ा वार्ड प्रमुख प्रदीप पूर्णकर की 29 सितंबर को हत्या कर दी गई थी। उन्हें पहले गोली मारी गई और फिर धारदार हथियारों से हमला किया गया। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में वली के विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा कि प्रदीप पूर्णकर की हत्या स्पष्ट रूप से राजनीतिक हत्या है। संदिग्धों के सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध होने के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? डिटी सीएम एकनाथ शिंदे आरोपियों और मुख्य साजिशकर्ताओं को क्यों बचा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला, तो ठाणे में एक विशाल मोर्चा निकाला जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आदित्य ठाकरे ने सवाल उठाया कि ऐतिहासिक रूप से बिहार को खराब शासन के उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाता था, लेकिन ठाणे में स्थिति इस हद तक बिगड़ गई है कि लोग यह कहने पर मजबूर हैं कि बिहार इससे बेहतर है। जब पूर्णकर का बेटा राम प्रभारी मंत्री एकनाथ शिंदे से मिलना चाहता था, तो उसे हिरासत में ले लिया गया। जेड श्रेणी की सुरक्षा होने के बावजूद प्रभारी भी इतने डरे हुए क्यों हैं? वहीं, संजय राउत ने दावा किया कि महाराष्ट्र ने देवेन्द्र फडणवीस जैसा कमजोर मुख्यमंत्री कभी नहीं देखा। उन्होंने कहा कि ठाणे की स्थिति बीड से भी बदतर है।

योगी आदित्यनाथ ही होंगे 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का चेहरा !

लखनऊ , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी में दिल्ली से लेकर लखनऊ तक चल रहे शह और मात के खेल के बीच संभवतः पार्टी को अब यह समझ आ गया है कि उत्तर प्रदेश में पार्टी की नैया योगी आदित्यनाथ के सहारे ही चुनावी वैतरणी पार कर सकेगी। इसीलिए तमाम विरोधाभासों के बीच पार्टी ने साफ कर दिया है कि 2027 में होने वाले उउ विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ का ही नेतृत्व रहेगा। उग्र भाजपा के नए प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने विधानसभा कार्य समिति के बाद चुनाव को लेकर अपना रूख साफ किया। उन्होंने कहा कि पार्टी 365 दिन लगातार अपनी जनता के लिए एक्टिव है। उन्होंने मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर चल रही

अटकलों पर पूरी तरह से विराम लगा दिया। अमित शाह के इशारों को पुख्ता करते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी 2027 का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। पार्टी उनके कामकाज और विकास मॉडल को चुनावी अभियान का प्रमुख आधार बनाएगी।

2027 के चुनाव के लिए बीजेपी ने संगठन और चुनावी प्रबंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से 4-सी रणनीति पर काम शुरू किया है। इसमें ओआरडीनेशन (समन्वय), कैडर, कास्ट (जातिगत समीकरण) और कैडीडेचर (उम्मीदवार चयन) को प्रमुख आधार बनाया गया है। विनोद तावड़े ने संकेत दिया कि पार्टी का जोर बड़े-बड़े स्वागत समारोहों, होर्डिंग्स

और दिखावे की राजनीति के बजाय जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर रहेगा। बुध मैनेजमेंट, कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय और कैडर की सक्रियता को चुनावी तैयारी का अहम हिस्सा बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी लगातार बुध लेवल से लेकर प्रदेश लेवल तक अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी हुई है और उनकी हर परेशानियों को दूर करेगी। समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) फॉर्मूले पर भी विनोद तावड़े ने निशाना साधा। उन्होंने पीडीए की अपनी व्याख्या करते हुए इसे ‘परमा धन अपना’ बताया। बीजेपी का दावा है कि वह विपक्ष के जातिगत समीकरणों का मुकाबला विकास और पारदर्शी गवर्नेंस के मुद्दे पर करेगी।



हरिद्वार पुलिस को मिले 10 नए कंप्यूटर उपकरण, वी-मार्क इंडिया ने दिया सहयोग

हरिद्वार (शिखर समाचार)। पुलिस की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए वी-मार्क इंडिया लिमिटेड ने हरिद्वार पुलिस को दो लैपटॉप और आठ कंप्यूटर सेट भेंट किए। पुलिस कार्यालय रोशनाबाद में कंपनी के प्रबंध निदेशक विकास गर्ग सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने एसएसपी नवनीत सिंह से मुलाकात कर ये उपकरण सौंपे।

इस अवसर पर एसएसपी नवनीत सिंह ने कंपनी के अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने में आधुनिक तकनीकी संसाधनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने भविष्य में भी पुलिस विभाग को आवश्यक उपकरण



उपलब्ध कराने में सहयोग की अपेक्षा जताई। एसएसपी ने प्राप्त उपकरणों को मौके पर ही आवश्यकतानुसार विभिन्न कोतवाली और पुलिस शाखाओं में वितरित कर दिया, ताकि पुलिसकर्मियों को अपने दैनिक कार्यों के निष्पादन में सुविधा मिल सके और विभागीय

कामकाज को अधिक सुगम बनाया जा सके। इस अवसर पर वी-मार्क इंडिया लिमिटेड के जीएम-एचआरए राहुल वर्मा, लीवल हेड ज्ञान प्रकाश शर्मा, एजीएम-एचआरए अभय गोयल सहित पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुमार को दी गई है। विधि एवं व्यवस्था, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान और सुरक्षा योजना के लिए अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार को नोडल अधिकारी बनाया गया है। दिव्यांग मतदाताओं की सुविधाओं, मतदान कार्मिकों के कल्याण, मीडिया प्रमाण एवं निगरानी समिति, वीडियोग्राफी, जीपीएस ट्रैकिंग, पेयजल, सफाई, प्रकाश, परिवहन, खानपान और अन्य व्यवस्थाओं के लिए भी अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। माइक्रो ऑब्जर्वर व्यवस्था के लिए लीड बैंक अधिकारी बीएल गुप्ता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सभी नोडल और सहायक नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तराखंड की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करें। सभी अधिकारी आपसी समन्वय बनाकर अपने दायित्वों का समयबद्ध निर्वहन करें और कार्यों की प्रगति से जिला निर्वाचन अधिकारी को नियमित रूप से अवगत कराते रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन संबंधी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता पाए जाते पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी।

नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर पुलिस का शिकंजा, चार आरोपी गिरफ्तार



बिजनौर (शिखर समाचार)। हल्द्वर पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली दवाओं की खरीद-फरोख और आपूर्ति करने वाले गिरोह का पदाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 13 लाख 99 हजार 100 रुपये की नकदी, एक लाख 800 प्रतिबंधित कैप्सूल, 7200 अल्पाजोलम टैबलेट, कोडीन सिरका की 30 शीशियां, एक रिक्ट कार और मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से नशीली दवाओं के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस के अनुसार, हल्द्वर पुलिस की टीम शरीफपुर नहर पुलिसिया पर सदिश वाहनों और व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को एक सफेद रंग की रिक्ट कार आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने कार को रोकने का प्रयास किया तो उसमें सवार दो युवक भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद हुईं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान हर्ष ढाका निवासी जोगीओधा और रितिक कुमार निवासी मारुफपुर, थाना हीमपुर दीपा के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामद नकदी, नशीली दवाओं, कार और मोबाइल फोन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। गिरोह के अन्य सदस्यों और नशीली दवाओं की आपूर्ति के स्रोत का पता लगाने के लिए भी पुलिस पुछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

नई ई-रिक्शा का लालच देकर आठ माह के मासूम का सौदा, 1.80 लाख में बेचा बच्चा; चार गिरफ्तार



बिजनौर (शिखर समाचार)। नई ई-रिक्शा खरीदने के लिए रुपये जुटाने का झांसा देकर आठ माह के मासूम बच्चे को 1.80 लाख रुपये में बेचने के मामले का मंडावली थाना पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने मामले में चार वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में दो पुष्प और एक महिला समेत चार लोग शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, कोटावाली निवासी आराम सिंह ने 29 अक्टूबर को थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि श्यामीवाला निवासी शमशेर और खुशींद ने नगीना देहात क्षेत्र के खुशहालपुर मटेडी निवासी देवराज सिंह और उसकी पत्नी सुनीता के साथ मिलकर उसे डराया-धमकाया तथा उसके आठ माह के बच्चे को बेच दिया। शोकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पूछताछ में शमशेर और खुशींद ने बताया कि आराम सिंह कई वर्षों से उनके यहां किराये पर ई-रिक्शा चलाता था। नई ई-रिक्शा खरीदने के लिए रुपये की जरूरत बताने पर उन्होंने उसे बच्चा बेचने का सुझाव दिया और खरीदार भी उपलब्ध कराया। इसके बाद तीन अक्टूबर 2025 को देवराज सिंह और उसकी पत्नी सुनीता को 1.80 लाख रुपये में बच्चा दिलाया गया। पूछताछ में दांती ने बताया कि उनकी छह बेटियां हैं और पुत्र प्राप्ति की इच्छा के चलते उन्होंने बच्चे को खरीदा था। बच्चे की तबीयत खराब होने पर उसे श्यामीवाला में अपनी रिश्तेदारी में छोड़ दिया गया था। पुलिस ने वहां से मासूम को सकुशल बरामद कर लिया। मामले में शमशेर, खुशींद, देवराज सिंह और सुनीता को गिरफ्तार कर पुलिस अग्रिम कानूनी कार्रवाई कर रही है।

अवैध अनैतिक कारोबार पर कोतवाली नगर पुलिस का बड़ा प्रहार, दो अभियुक्त गिरफ्तार

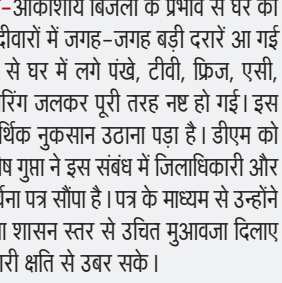
गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर में अपराध एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए गाजियाबाद पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर के नेतृत्व में थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम ने अवैध अनैतिक व्यापार के संचालन के मामले में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी निरंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार, थाना कोतवाली नगर



क्षेत्र में अवैध अनैतिक व्यापार संचालित किए जाने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को हिरासत में लेकर मामले से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू कर दी है। साथ ही यह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस अवैध गतिविधि में अन्य लोगों की संलिप्तता तो नहीं है और इसके संचालन के पीछे कोई संगठित नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर एवं थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए पुलिस सक्रिय है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध निम्नानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। मामले में जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घर पर गिरी आकाशीय बिजली, युवती बाल-बाल बची; लाखों के उपकरण और वायरिंग जली

हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला राह कमाल में एक मकान पर आकाशीय बिजली गिरने से भारी तबाही मच गई। गनीमत यह रही कि कमरे में मौजूद एक युवती बाल-बाल बच गई, लेकिन इस प्राकृतिक आपदा में घर की छत व दीवारों में गहरी दरारें आ गई और लाखों रुपये मूल्य के बिजली उपकरण जलकर खाक हो गए। पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। तेज धमाके के साथ घर पर गिरी बिजली प्रास जानकारी के अनुसार, मोहल्ला राह कमाल निवासी आशीष गुप्ता के घर पर यह घटना तब हुई जब वे सुकह घर से निकलने की तैयारी कर रहे थे। अचानक आसमान से तेज गड़गड़ाहट के साथ उनके मकान की छत पर आकाशीय बिजली आ गिरी। उस समय घर के एक कमरे में उनकी बहन मौजूद थीं, जो इस हादसे में बाल-बाल बच गईं। प्रत्यक्षदर्शी बहन के अनुसार, बिजली गिरते ही पूरे घर में तेज सफेद रोशनी फैल गई और ऐसा प्रतीत हुआ मानो पूरा मकान दह गया हो।



लाखों का नुकसान, दीवारों में आई दरारें- आकाशीय बिजली के प्रभाव से घर की छत को नुकसान पहुंचा है और कमरे की दीवारों में जगह-जगह बड़ी दरारें आ गई हैं। इसके अलावा तेज वोल्टेज के झटके से घर में लगे पंखे, टीवी, फ्रिज, एसी, इनवर्टर, चार्जर और पूरी बिजली की वायरिंग जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई। इस हादसे में परिवार को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। डीएम को पत्र भेजकर मुआवजे की मांग पीड़ित आशीष गुप्ता ने इस संबंध में जिलाधिकारी और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी को एक प्रार्थना पत्र सौंपा है। पत्र के माध्यम से उन्होंने नुकसान का आकलन कर सर्वे कराने तथा शासन स्तर से उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है, ताकि परिवार इस भारी क्षति से उबर सके।

75 से अधिक छठ घाटों पर होंगी विशेष व्यवस्थाएं, रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाएंगे घाट

गाजियाबाद (शिखर समाचार)।

छठ पर्व को लेकर गाजियाबाद नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और पर्व को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने पूर्वांचल समाज की विभिन्न संस्थाओं और समितियों के सदस्यों के साथ बैठक कर सुझाव मांगे। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त के निर्देश पर निगम के सभी संबंधित विभागों को तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में पूर्वव्या जनकल्याण परिषद के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। परिषद की ओर से रीता सिंह, राकेश तिवारी, जय दीक्षित और मनोज ने प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी छठ पर्व के लिए बेहतर व्यवस्थाएं किए जाने पर नगर निगम का आभार जताया। उन्होंने सभी छठ घाटों को आकर्षक रंग-बिरंगी रोशनी से सजाने का सुझाव दिया, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण मिल सके। नगर आयुक्त ने बताया कि हिंडन



नदी स्थित छठ घाट के अलावा नगर निगम क्षेत्र में 75 से अधिक छठ घाटों को व्यवस्थित किया जा रहा है। सभी घाटों पर प्रकाश, पानी और

साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था रहेगी। हिंडन नदी छठ घाट पर आकर्षक लेजर लाइट शो आयोजित किया जाएगा, जबकि अन्य प्रमुख

वोट चोरी और मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के मामले में केंद्र पर बरसीं कांग्रेस प्रवक्ता रागिनी नायक

मोदीनगर (शिखर समाचार)। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक ने शुक्रवार दोपहर दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित सोपमडी सभागार में एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर तीखे हमले किए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की नियुक्ति के लिए नियमों में बदलाव किया गया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह तथा मुख्य चुनाव आयुक्त मिलकर देश में 'वोट चोरी' कर रहे हैं।

प्रेसवार्ता के दौरान रागिनी नायक ने दावा किया कि वोट चोरी की प्रक्रिया को अंजाम देने के लिए चयन समिति से देश के मुख्य न्यायाधीश को बाहर कर दिया गया और उनकी जगह केंद्रीय मंत्री को शामिल करके नेता प्रतिपक्ष को अल्पमत में लाने का षड्यंत्र रचा गया। उन्होंने कहा कि एसआईआर के नाम पर देश भर में 13 करोड़ लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं। कांग्रेस पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और



हटाए गए 13 करोड़ मतदाताओं के नाम दोबारा सूची में जोड़े जाने की मांग को लेकर सड़क से लेकर संसद तक कड़ा संघर्ष कर रही है।

दिल्ली महारैली को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

आगामी 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित 'देश बचाओ-वोट बचाओ' महारैली का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस विशाल जनसभा में लगभग 10 लाख लोग शामिल होंगे, जिसमें गाजियाबाद से भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम जनता पहुंचेंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि इस रैली से भाजपा सरकार बौखला गई है और कभी व्यापारियों

को आगे कर तो कभी अन्य हथकंडों के जरिए इसे रोकने का षड्यंत्र रच रही है। कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि वोट चोरी रोकने के लिए पार्टी अब बूथ स्तर पर 'बूथ रक्षक' तैनात करेगी। ये रक्षक घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करेंगे और वोटर लिस्ट में उनके नाम की जांच करेंगे। इसके प्रति जनसाधारण को जागरूक करने के लिए गांवों में विशेष चौपालों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुनील शर्मा, प्रदेश के पूर्व महामंत्री अजय चौधरी, नगर अध्यक्ष वृजेश सैन, कल्पना सिंह और चांदवीर चौधरी सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में डीएम ने दिखाई संवेदनशीलता, बोले- हर फरियादी की समस्या का हो गुणवत्तापूर्ण समाधान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)।

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांडड़ ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में जनसुनवाई कर फरियादियों की समस्याएं विस्तारपूर्वक सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में नियमों के साथ मानवीय संवेदनाओं का भी ध्यान रखा जाना चाहिए, ताकि पीड़ित व्यक्ति को न्याय मिल सके। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई के दौरान अथवा कार्यालय में किसी अन्य समय आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना जाए। शिकायतों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए



उनका अनावश्यक विलंब किए बिना समाधान किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल औपचारिकता पूरी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण होना चाहिए। इस दौरान पूर्व में जनसुनवाई में शिकायत लेकर पहुंचे कुछ

फरियादियों ने अपनी समस्याओं का समाधान होने और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने पर जिलाधिकारी के प्रति आभार जताया। लाभार्थियों ने कहा कि उनकी समस्याओं के समाधान में जिलाधिकारी ने विशेष सहयोग किया। उन्होंने ऐसे अधिकारियों की

आवश्यकता पर जोर दिया, जो जनता की समस्याओं को केवल सरकारी कामकाज न मानकर अपनी जिम्मेदारी समझते हुए उनका समाधान कराएं। जनसुनवाई के दौरान अपर जिलाधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज में संस्थापिका की प्रतिमा का अनावरण, वार्षिक पत्रिका 'वातायन' भी विमोचित

मोदीनगर (शिखर समाचार)। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पीजी कॉलेज में शुक्रवार को आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान कॉलेज की संस्थापिका स्वर्गीय गिन्नी देवी मोदी के जन्मदिवस पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की वार्षिक पत्रिका 'वातायन' का भी अधिकारिक विमोचन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. के.एन. मोदी फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. डी.के. मोदी, रेनु मोदी और निधि मोदी ने प्रतिमा का अनावरण कर संस्थापिका को श्रद्धांजलि अर्पित करके किया।

सरल हिंदी में सुंदरकांड और कला प्रदर्शनी ने मोहा मन कार्यक्रम की शुरुआत में मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया, जिसके बाद संगीत विभाग की छात्राओं ने सरल हिंदी में रचित सुंदरकांड का मनमोहक गायन प्रस्तुत कर पूरे परिसर के वातावरण को भक्तिमय बना दिया। वहीं, चित्रकला विभाग की ओर से छात्राओं द्वारा एक विशेष प्रदर्शनी का



आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने अपनी बेहतरीन कलाकृतियों का प्रदर्शन कर सभी को अर्चिषित कर दिया।

कौशल विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. डी.के. मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि फाउंडेशन के सभी शिक्षण संस्थानों में शिक्षा की उच्च गुणवत्ता बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए फाउंडेशन द्वारा कौशल विकास की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के नए

अवसर सृजित हो सकें। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज की प्राचार्य डॉ. पूनम शर्मा ने उपस्थित सभी अतिथियों और गणमान्य लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रमुख हस्तियों की रही उपस्थिति इस गरिमामयी आयोजन में फाउंडेशन के रजिस्ट्रार यू.एन. मिश्रा, उपाध्यक्ष राजीव सक्सेना, डॉ. दीपांकर शर्मा, संदीप यादव, पूर्व प्राचार्य डॉ. रीता बखशी, प्राचार्य डॉ. पूनम शर्मा, डॉ. ऋषिका पांडे, डॉ. सारिका गर्ग, आकांक्षा सारस्वत और शालू तिवारी सहित कॉलेज के कई शिक्षक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

न्यूट्रिशन क्लब में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया कर्वा चौथ पर्व, चारु बनीं 'कर्वाचौथ क्वीन'

हापुड़ (शिखर समाचार)। आर्यनगर स्थित फ्यूल स्टेशन न्यूट्रिशन क्लब में कर्वा चौथ का पर्व बड़े ही पारिवारिक और उत्साहपूर्ण माहौल में मनाया गया। इस विशेष आयोजन के दौरान महिलाओं ने स्वास्थ्य जागरूकता, मनोरंजन खेलों, गीत-संगीत और विभिन्न रोचक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

स्वास्थ्य जागरूकता और परंपराओं का अनूठा संगम

कार्यक्रम की आयोजक एवं फ्यूल स्टेशन की ओनर व वेलेनेस कोच प्रियंका महेश ने कहा कि त्योहार हमारी संस्कृति को मजबूत करने के साथ-साथ आपसी मेल-जोल का माध्यम हैं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को एक मंच पर लाकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और बुद्धिमानों के पल साझा करना था। उन्होंने व्रती महिलाओं को व्रत के दौरान शानदार प्रदर्शन और सहभागिता के आधार पर चार को 'कर्वाचौथ क्वीन' चुना गया। कार्यक्रम के सफल



व्रत के पहले व बाद में संतुलित खान-पान अपनाने की सलाह दी। **विभिन्न गतिविधियों और खेलों ने मोहा मन** समारोह के दौरान आयोजित मनोरंजन खेलों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। महिलाओं ने सामूहिक रूप से गीत गाकर पूरे वातावरण को खुशनुमा बना दिया। इस दौरान शानदार प्रदर्शन और सहभागिता के आधार पर चार को 'कर्वाचौथ क्वीन' चुना गया। कार्यक्रम के सफल

घाटों पर भी रंग-बिरंगी और आकर्षक लाइटें लगाई जाएंगी। इसके लिए प्रकाश विभाग के वरिष्ठ प्रभारी नरेंद्र कुमार चौधरी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। नगर आयुक्त ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश को छठ घाटों के साथ वहां तक पहुंचने वाले मार्गों की सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा सभी जौनल प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के छठ घाटों की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वरिष्ठ अधिकारियों की द्यूटी भी घाटों पर लगाई गई है, ताकि तैयारियों की निगरानी निगरानी हो सके और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में अपर नगर आयुक्त अर्जुन कुमार और मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं और व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

स्वागत किया गया। इस दौरान शीतल अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, विकास अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, प्रदीप गर्ग, मोहित गर्ग, मोहित गोयल, संजीव लाहोटी, पराग अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, नीरज बिश्नोई, सोहन सैनी, मुकेश चौधरी, कुंवर अमरजीत सिंह, डॉ. भूपेश चौहान, सचिन शर्मा, शरद गर्ग और आलोक अग्रवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों ने भी भागीदारी की। सुरक्षा की दृष्टि से एसएसआई पुलिस बल के साथ शोभायात्रा में मौजूद रहे।



अग्रसेन के 18 गेजों का प्रतिनिधित्व करते बच्चों की झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। विशेष वेशभूषा में सजी महिलाएं फिर पर कलश लेकर चल रही थीं, जबकि युवा ढोल-नागाड़ों की थाप पर नृत्य करते हुए महाराजा अग्रसेन के जयकारे लगा रहे थे।

शोभायात्रा गांधी मूर्ति पार्क, नगर पालिका बाजार, लुहारी सराय, बाजार मझलेटा, बाजार गंज, बड़ा मंदिर मुक्तेश्वर नाथ, सुनहरी मरिचक और सराफा बाजार होते हुए मोहल्ला नालबंदान स्थित अग्रवाल धर्मशाला पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में करीब एक दर्जन स्थानों पर फूल-मालाओं, मिष्ठान और सोंफ-मिश्री से यात्रा का

टीईटी परीक्षा के चलते शिक्षकों को जनगणना प्रशिक्षण से दो दिन की राहत, एडीएम ने जारी किया आदेश

हापुड़ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की मांग पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) एवं जिला जनगणना अधिकारी संदीप कुमार ने जनपद के परिषदीय शिक्षकों को बड़ी राहत दी है। विभागीय टीईटी परीक्षा में शामिल होने वाले शिक्षकों को आगामी 2 और 3 नवंबर को जनगणना-2027 के प्रशिक्षण से मुक्त कर दिया गया है।

दूरदराज परीक्षा केन्द्र होने के कारण की गई थी मांग

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह सिसौदिया और जिलामंत्री नीरज चौधरी ने प्रशासन को अवगत कराया था कि सुप्रीम कोर्ट के 1 सितंबर 2025 के निर्देशानुसार परिषदीय शिक्षकों के लिए टीईटी पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। इसी क्रम में सरकार द्वारा 3 नवंबर 2026 को विभागीय टीईटी परीक्षा आयोजित की जा रही है। शिक्षकों के परीक्षा केन्द्र सैकड़ों किलोमीटर दूर होने के कारण उन्हें एक दिन पूर्व यानी 2 नवंबर को ही रवाना



होना पड़ेगा, जिसके चलते संघ ने दोनों दिन प्रशिक्षण से छूट की मांग की थी।

शेष दिनों में पूरा कराया जाएगा प्रशिक्षण

अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि वर्तमान में जनगणना के द्वितीय चरण के प्रमाणकों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण चल रहा है, किंतु टीईटी परीक्षा में भाग लेने वाले शिक्षकों को 2 व 3 नवंबर को प्रशिक्षण कार्य से कार्यमुक्त कर दिया गया है। इन शिक्षकों का छूटा हुआ प्रशिक्षण अन्य निर्धारित शेष दिवसों में पूरा कराया जाएगा।

संक्षिप्त

समाचार

जलभराव की शिकायतों के लिए नगर निगम का कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर। चक्रवात अर्णब से होने वाली बारिश की संभावना के मद्देनजर नगर निगम का कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय रहेगा। जलभराव और जलनिकासी से जुड़ी शिकायतों के तत्काल निस्तारण के लिए कंट्रोल रूम में अधिकारियों और कर्मचारियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाई गई है। नागरिकों से मिलने वाली शिकायतों पर संबंधित टीमों के माध्यम से त्वरित कार्रवाई कराई जाएगी। नगर निगम की ओर से जलभराव या जलनिकासी में अवरोध की शिकायत दर्ज कराने के लिए चार संपर्क नंबर जारी किए गए हैं। नागरिक 0551-2342621, 8810709390, 9236478095 और टोल फ्री नंबर 1533 पर संपर्क कर सकते हैं। नगर आयुक्त अजय जैन ने नागरिकों से अपील की है कि बारिश के दौरान कहीं जलभराव होने या पानी की निकासी बाधित होने पर तत्काल कंट्रोल रूम को सूचना दें। इससे संबंधित टीम को मौके पर भेजकर आवश्यक कार्रवाई कराई जा सकेगी।

गोरखपुर वर्कशॉप में होगी

वंदेभारत की मरम्मत

गोरखपुर , एजेंसी। अब वंदेभारत ट्रेन की मरम्मत स्थायी रूप से गोरखपुर यांत्रिक कारखाना के वर्कशॉप में होगी। रेलवे बोर्ड ने गोरखपुर से चलने वाली दोनों ट्रेनों की मरम्मत की मंजूरी दे दी है। अभी गोरखपुर न्यू कोचिंग डिपो में वंदेभारत की धुलाई होती है और मरम्मत का काम चारबाग में होता है। गोरखपुर से चलने वाली वंदे भारत ट्रेनों की मरम्मत, रखरखाव व सफाई-धुलाई को लेकर शुरु से ही दिक्कत आ रही थीं। इस ट्रेन की मरम्मत व रखरखाव के लिए अलग से डिपो की आवश्यकता है। अब यांत्रिक कारखाना में वंदे भारत की मरम्मत को स्थायी मंजूरी मिल जाने से रेल प्रशासन ने राहत की सांस ली है। कारखाने में एलएचबी, पावरकार और मेमू ट्रेनों के बाद अब वंदे भारत रैक की भी मरम्मत होगी। भविष्य में यहां अन्य जोन के वंदेभारत के रैक की भी मरम्मत की जाएगी। दो वंदे भारत चलती हैं गोरखपुर से गोरखपुर से प्रयागराज और पाटलिपुत्र के बीच दो वंदे भारत ट्रेनें चलती हैं। सात जुलाई, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोरखपुर जंक्शन से पहली वंदे भारत को हरी झंडी दिखाई थी। गोरखपुर वर्कशॉप में वंदेभारत की क स्थायी रूप से मरम्मत होगी। इसके लेकर बोर्ड ने पत्र जारी कर दिया है। गोरखपुर वर्कशॉप में ही मरम्मत हो जाने से काफी सहूलियत होगी। सुमित कुमार, सीपीआरओ-एनईआर

चुनाव की अधिसूचना से पहले खाली बीटों पर तैनात होंगे सफाई श्रमिक

गोरखपुर , एजेंसी। विधानसभा चुनाव 2027 की अधिसूचना से पहले नगर निगम में सफाई मित्रों के रिक्त बीटों को भरने की तैयारी तेज हो गई है। इसके लिए पांचों जोन के सफाई निरीक्षकों से खाली बीटों की सूची मांगी गई है। सेवागतिविधि और मृत्यु से रिक्त हुए पदों पर सीएलसी (केंद्रीकृत श्रम सविदा व्यवस्था) के माध्यम से सफाई श्रमिकों की तैनाती की जाएगी। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने जनवरी 2025 से 31 अक्टूबर 2026 तक रिक्त हुए बीटों का ब्योरा मांगा है। इसमें उन स्थायी सफाई कर्मचारियों की जानकारी भी शामिल होगी, जिनके स्थान पर अब तक श्रमिकों की तैनाती नहीं हुई है। रिपोर्ट मिलने के बाद जरूरत के अनुसार श्रमिकों की आपूर्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आउटसोर्सिंग कर्मियों के वेतन में बढ़ोतरी के लिए शासनादेश जारी किया है। इसके आधार पर नगर निगम ने कार्यकारिणी में वेतन भुगतान के लिए 20 करोड़ रुपये से अधिक का बजट प्रावधान किया है।

जिले में 11 प्रतिष्ठानों पर मारा छापा, खाद्य-पदार्थों के 16 नमूने लिए

मेरठ , एजेंसी। जिले में बुधवार को खाद्य विभाग के राज्य सचल की चार टीमों ने अलग-अलग जगह 11 मिठाई प्रतिष्ठानों एवं निर्माणशाला पर छपा मारा। टीम ने कार्रवाई करते हुए 16 नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे। सहायक आयुक्त खाद्य नादिर अली ने बताया कि मंडल के अन्य जिलों से चार टीम बिजनौर आई थीं। प्रत्येक टीम में तीन-तीन खाद्य सुरक्षा अधिकारी थे। टीम ने बिजनौर में नदी स्वीट्स से काजू,बाण्ी, बीकानेर स्वीट्स से छेना रसगुल्ला, नगीना में तुलाराम स्वीट्स की दोनों दुकानों से छेना रसगुल्ला व रसमलाई, मोहन रसगुल्ला के प्रतिष्ठान से मावे का नमूना संग्रहित किया।

इंदिरापुरम अग्निकांड में जान जोखिम में डालकर बचाई थीं जानें, डीएम ने 28 अग्निशमन कर्मियों को किया सम्मानित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)।

इंदिरापुरम क्षेत्र में इंस्टामार्ट वेयरहाउस और गैलेक्सी फर्नीचर गोदाम में एक अक्टूबर 2026 को हुए भीषण अग्निकांड के दौरान साहस और सूझ-बूझ से राहत एवं बचाव कार्य करने वाले अग्निशमन विभाग के 28 अधिकारियों और कर्मचारियों को जिलाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। शुक्रवार को आयोजित सम्मान समारोह में जिलाधिकारी ने अग्निशमन दल के साहस, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की। अग्निकांड के दौरान मुख्य अग्निशमन अधिकारी सौरभ कुमार सिंह के नेतृत्व और निर्देशन में अग्निशमन विभाग की टीम ने



अत्यंत विषम परिस्थितियों में आग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया था। टीम ने आग को आसपास के रिहायशी क्षेत्रों में फैलने से रोका और घरों तथा फ्लैटों में फंसे नागरिकों को सुरक्षित बाहर

निकाला। इस दौरान अग्निशमन कर्मियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना बचाव कार्य को अंजाम दिया और व्यावसायिक दक्षता के साथ मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। उत्कृष्ट नेतृत्व, अदम्य

साहस और कर्तव्यपरायणता के लिए मुख्य अग्निशमन अधिकारी सौरभ कुमार सिंह, एफएसएसओ मूलचंद सिंह, लीडिंग फायरमैन नेत्रपाल सिंह, चालक रामपाल सिंह, चालक सतेंद्र तोमर, फायरमैन सोरव राणा और फायरमैन विनय यादव सहित कुल 28 अग्निशमन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि अग्निशमन कर्मियों ने जिस साहस, तत्परता और टीम भावना के साथ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की, वह सराहनीय है। उनका यह कार्य विभाग के लिए गौरव का विषय होने के साथ अन्य कर्मियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

46 करोड़ से बनेगा 10 किमी का रिंग बंधा, नदियों की कटान से अब निजात, चुनाव बहिष्कार की मिल चुकी चेतावनी



बाराणसी, एजेंसी। उत्तरी दीयरंचल के शिवाल, गोपालनगर व वशिष्ठ नगर, मानगढ़ को सरयू नदी की कटान से बचाने के लिए 46 करोड़ 8 लाख रुपये से 10 किमी का रिंग बंधा बनेगा। यह रिंग बंधा निष्प्रयोज्य पुरानी रेलवे लाइन से होकर देवपुर मठिया के पास टीएस बंधे से जुड़ेगा। बाढ़ विभाग के अनुसार बलिया डिविजन अंतर्गत चारों सबडिविजन में गंगा, सरयू की कटानरोधी कार्य के लिए कुल 300 करोड़ का डीपीआर तैयार हुआ है। बृहस्पतिवार को उक्त सभी डीपीआर मुख्य अभियंता की बैठक में पेश किए गए। अगर मुख्य अभियंता की बैठक में पेश किए गए। अगर मुख्य अभियंता की बैठक में स्वीकृति मिली तो लखनऊ टीएस की बैठक में स्वीकृति

के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। टीएस की बैठक में स्वीकृति मिलने के बाद परियोजनाओं पर कार्य शुरू हो जाएगा।

बनाया गया मास्टर प्लान

सहायक अभियंता आकाश यादव ने बताया कि सुरेमपुर रेलवे स्टेशन के पास निष्प्रयोज्य पुराने रेलवे स्टेशन को जोड़ते हुए शिवाल, गोपालनगर व वशिष्ठ नगर गांव को सुरक्षित करते हुए 10 किमी का रिंग बंधा देवपुर मठिया के पास टीएस बंधे से जुड़ेगा। इसके लिए 46 करोड़ 8 लाख रुपये का डीपीआर बना है। वहीं, बकुल्ला में एक से दो किमी तक बंधे की मरम्मत 9 करोड़ लाख,

नकली नोटों के धंधे का आरोपी 25 हजार का इनामी शहनवाज गिरफ्तार

सहारनपुर (शिखर समाचार)। सदर बाजार कोतवाली पुलिस ने नकली नोटों के मामले में वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त शहनवाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 500 रुपये के छह जाली नोट बरामद किए हैं, जिनकी कुल कीमत तीन हजार रुपये है। आरोपी थाना मिजापुर से भी 25 हजार रुपये का इनामी बताया गया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी नकली नोटों के कारोबार के साथ अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में भी शामिल रहा है।

पुलिस के अनुसार बिहार के बक्सर जिले के निवासी कुष्णाकांत दुबे ने 29 अक्टूबर को सदर बाजार कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी कि शहनवाज, विशाल त्यागी और अन्य लोगों ने आपराधिक षड्यंत्र के



तहत उन्हें नकली नोट दिए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। एसएसपी के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत एसपी सिटी और क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नेमचंद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 29 अक्टूबर को भट्ठा कालोनी तिराहे से शहनवाज पुत्र

अरिफ निवासी मिजापुर पोल, थाना मिजापुर को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 500 रुपये के छह जाली नोट बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक पृष्ठताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ नकली नोटों के कारोबार में शामिल होने की बात स्वीकार की। उसने पुराने नोटों के कारोबार और अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में भी

संलिप्तता बताई। पुलिस का दावा है कि हथियार और कारतूस पंजाब सहित अन्य राज्यों से लाकर ग्राहकों को बेचे जाते थे और इससे मिलने वाली रकम आपस में बांट ली जाती थी। पुलिस के अनुसार आरोपी का भाई हसन और भतीजा अर्सलान इसी महीने अवैध हथियारों और कारतूसों के साथ गिरफ्तार किए गए थे, जिनक शहनवाज फरार चल रहा था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ मिजापुर थाने में धोखाधड़ी, मारपीट, धमकी और आयुध अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक नेमचंद सिंह, उपनिरीक्षक निजाम कुमार, कांस्टेबल रवि राठी और रिजर्व कांस्टेबल अभिषेक कुमार शामिल रहे।

20 दिसंबर को होगा गांधी आई हॉस्पिटल ट्रस्ट का चुनाव

अलीगढ़ , एजेंसी। पूरे उत्तर भारत में अपनी चिकित्सा सेवाओं के लिए प्रसिद्ध गांधी आई हॉस्पिटल ट्रस्ट का चुनाव 20 दिसंबर को होगा। इस चुनाव को संपन्न कराने के लिए अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ भट्ट को निर्वाचन अधिकारी नामित किया गया। चुनाव संपन्न होने तक संयुक्त सचिव पिकी भाटिया सचिव के दायित्वों का निर्वहन करेंगे। ट्रस्ट में 274 क्रियाशील सदस्य हैं, जो निर्वाचन प्रक्रिया में मतदान करेंगे। जिलाधिकारी अविनाश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बृहस्पतिवार को गांधी नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट की कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सीडीओ योगेंद्र कुमार, एडीएम सिटी संगीता देवी, एसीएमओ डॉ. दिनेश खत्री मौजूद रहे। अस्पताल में संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी दी अलीगढ़। इस बैठक में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही उपचार एवं नेत्र शल्य चिकित्सा सुविधाओं, आय-व्यय और चिकित्सकीय प्रशिक्षण पर चर्चा की गई। अस्पताल के सीएमओ डॉ. अजय कुमार सक्सेना ने बताया कि नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन नई दिल्ली से संबद्ध तीन वर्षीय डीपनबी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित है, जिसमें सात चिकित्सक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी लखनऊ से संबद्ध 40 सीटों वाला चार वर्षीय बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री पाठ्यक्रम, विट्रियोरेटिनल सुपर स्पेशियलिटी में द्विवार्षिक फेलोशिप एवं कॉन्टैक्ट लेंस प्रशिक्षण कोर्स भी संचालित किया जा रहा है।

मरीजों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जा रहा है। वर्ष 2024 में 94279 मरीजों का पंजीकरण, 6661 मरीजों को भर्ती करने और 1,22,468 छोटे-बड़े नेत्र ऑपरेशन किए गए। वर्ष 2025 में 100608 मरीजों का पंजीकरण, 6492 मरीजों को भर्ती करने और 12654 छोटे-बड़े नेत्र ऑपरेशन किए गए। चालू वित्तीय वर्ष में अगरस्त तक 41046 मरीजों का पंजीकरण, 1593 मरीजों को भर्ती करने एवं 4551 छोटे-बड़े नेत्र ऑपरेशन किए गए।

पीएम किसान योजना की 24वीं किस्त जारी, किसानों ने देखा लाइव प्रसारण

हापड़ (शिखर समाचार)।

बनासकांठा (गुजरात) में आयोजित पीएम किसान उत्सव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त डीबीटी के माध्यम से सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित की गई। इस राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत जनपद हापड़ के कृषि विज्ञान केंद्रों और खंड विकास कार्यालयों में बड़ी संख्या में किसानों के लिए लाइव स्ट्रीमिंग की विशेष व्यवस्था की गई थी, जिसके माध्यम से उन्होंने प्रधानमंत्री का सीधा प्रसारण देखा। कृषि विज्ञान केंद्र बाबूगढ़ में हुआ मुख्य आयोजन जनपद स्तर पर



मुख्य कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र, बाबूगढ़ में आयोजित किया गया। इसमें उप कृषि निदेशक हापड़ योगेंद्र

कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र बाबूगढ़ के प्रभारी डॉ. अरविंद यादव और अन्य वैज्ञानिकों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग

किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा अधिकारियों व अतिथियों का बुके देकर स्वागत किया गया। वैज्ञानिकों ने दी उन्नत खेती की तकनीकों जानकारी लाइव प्रसारण समाप्त होने के बाद केंद्र के वैज्ञानिकों ने उपस्थित कृषकों को संबोधित किया और उन्हें खेती की उन्नत व नवीन तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में सभी कृषकों को सूक्ष्म जलपान कराया गया। इस दौरान किसानों में योजना की अगली किस्त मिलने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

संपादकीय

आस्था के आसमान में सुरक्षा का सवाल, पहाड़ों में कब थमेगा हवाई हादसों का सिलसिला?

उत्तराखंड की देवभूमि अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक आस्था और दुर्गम पर्वतीय भूगोल के लिए दुनिया भर में पहचानी जाती है। यहां हर वर्ष लाखों श्रद्धालु बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन करने पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हेलीकॉप्टर सेवाओं का विस्तार भी हुआ है। निश्चित रूप से इन सेवाओं ने बुजुर्गों, दिव्यांगों और कम समय में यात्रा पूरी करने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत दी है, लेकिन जब सुविधा और व्यावसायिक गतिविधियों के बीच यात्रियों की सुरक्षा पीछे छूटने लगे तो व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठना स्वाभाविक है। 30 अक्टूबर को बदरीनाथ धाम से देहरादून लौट रहा ट्रांस भारत एविएशन का हेलीकॉप्टर चमोली जिले में जोशीमट के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे ने एक बार फिर उत्तराखंड की हवाई सेवाओं की सुरक्षा पीछे छूटने को कठघरे में खड़ा कर दिया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर ने दोपहर करीब 1 बजकर 14 मिनट पर बदरीनाथ से देहरादून के सहस्रधारा हेलीपोर्ट के लिए उड़ान भरी थी। इसमें पायलट सहित छह लोग सवार थे। जोशीमट घाटी के आसपास घूटने के बाद हेलीकॉप्टर का संपर्क टूट गया और उसका पता लगाने वाली प्रणाली ने भी काम करना बंद कर दिया। बाद में चमोली के पर्वतीय क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर का मलबा मिला। हादसे में छह लोगों की जान जाने की पुष्टि सामने आई। इनमें पांच यात्री बंगलुरु के निवासी बताए गए, जबकि हेलीकॉप्टर के पायलट केप्टन हिमांशु भी इस दुर्घटना के शिकार हुए। घटना की भयावहता का अंदाजा उन तस्वीरों और वीडियो से लगाया जा सकता है, जिनमें दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर से धुआं उठता दिखाई दे रहा है। यह केवल एक विमान दुर्घटना नहीं, बल्कि उन परिवारों के सपनों और उम्मीदों का अंत है, जिन्होंने अपने प्रियजनों को सुरक्षित यात्रा के लिए विदा किया था।

इस हादसे की गंभीरता इसलिए और बढ़ जाती है क्योंकि उत्तराखंड में पिछले कुछ समय से मौसम लगातार बिगड़ चुका है। बदरीनाथ, केदारनाथ सहित ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। कई स्थानों पर बारिश, तेज हवाओं और कम दृश्यता की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग ने 2 नवंबर तक पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। चमोली में 30 अक्टूबर को खराब मौसम को लेकर चेतावनी भी जारी की गई थी। मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए आकाश में उड़ान भरने का निर्णय किस स्तर पर और किन मानकों के आधार पर लिया गया, इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। यह स्पष्ट करना होगा कि उड़ान से पहले मौसम संबंधी चेतावनियों का कितना आकलन किया गया था और क्या उस समय हेलीकॉप्टर का संचालन सुरक्षित था।

उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने दुर्घटना के बाद ट्रांस भारत एविएशन के पूरे बड़े की उड़ानों पर रोक लगा दी है। सेना, भारत तिब्बत सीमा पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा प्रतिवादन बल, पुलिस और जिला प्रशासन की टीमें बचाव एवं खोज अभियान में लगाई गईं। दो हेलीकॉप्टरों के माध्यम से हवाई निरीक्षण भी कराया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और पूरे घटनाक्रम की निगरानी की। प्रशासन की तत्परता अपनी जगह महत्वपूर्ण है, लेकिन सवाल यह है कि क्या ऐसी तत्परता दुर्घटना होने से पहले भी दिखाई जाती है? क्या मौसम की चेतावनी के आधार पर समय रहते उड़ानों को रोकने की व्यवस्था पर्याप्त रूप से प्रभावी है? किसी भी दुर्घटना के बाद राहत और बचाव कार्य करना सरकार का दायित्व है, मगर उससे बड़ा दायित्व ऐसी परिस्थितियाँ पैदा ही नहीं होने देना है जिनमें लोगों की जान जोखिम में पड़े।

~  मौलिक चिंतन  ~
कल रही होगी सत्य की प्रतिष्ठा, आज सत्य उपेक्षित ही नहीं पराजित भी है।
~~~~~



©  
**विनय संकोची**



क़ातिला मांडेत

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जनआंदोलन अब केवल महंगाई, सस्ते आटे और बुनियादी सुविधाओं तक सीमित नहीं रह गया है। साढ़े चार महीने से जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच जनता और पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान के बीच टकराव की स्थिति गंभीर होती दिखाई दे रही है। मुजफ्फराबाद से लेकर कोटली, रावलाकोट और पंछ तक लोगों में नाराजगी बढ़ने की खबरें हैं। आंदोलनकारियों का आरोप है कि उनकी मांगों को सुनने और समस्याओं का समाधान करने के बजाय सड़कों पर बंदिशें लगाई जा रही हैं तथा विरोध की आवाज दबाने की कोशिश हो रही है। अवामी आंदोलन के जुलूस पर गोलीबारी और लोगों के घायल होने की खबरों ने स्थिति को और



सुनील कुमार मेहला

दीपावली खुशियों, उमंग, प्रकाश और मिठास का त्योहार है। इस पर्व पर घर-परिवार में मिठाइयों का आदान-प्रदान केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, आत्मीयता और सद्भाव का प्रतीक भी है। दीपावली आने से कई दिन पहले ही बाजार रंग-बिरंगी मिठाइयों से सजने लगते हैं और बाजार में दुकानों पर काजू, कतली, बेसन के लड्डू, मोतीचूर, रसगुल्ले, बर्फी, पेड़े और गुलाब जामुन को बहरा दिखाई देने लगती है। कभी घरों में भी दीपावली के लिए तरह-तरह के पकवान और मिठाइयाँ तैयार की जाती थीं, लेकिन बदलती जीवनशैली और व्यस्तता के कारण अब अधिकांश लोग बाजार से ही मिठाइयाँ खरीदना पसंद करते हैं। यही वह समय है, जब मिठाइयों की मांग अचानक बढ़ जाती है और कुछ मुनाफाखोर इस मांग को कमाई का अवसर बना लेते हैं।विबंडना यह है कि जिस मिठास को हम अपने परिवार और प्रियजनों के साथ बांटने के लिए खरीदते हैं, उसी में मिलावट का खतरा छिपा होता है। मिलावट तो मिलावट, तौल तक में गड़बड़ी की जाती है और डिब्बे को भी मिठाई के साथ ही तौल दिया जाता है। शुद्ध देसी घी, असली मावे और गुणवत्तापूर्ण दूध से बनी मिठाइयों के नाम पर आज नकली घी, मिलावटी मावा, सिंथेटिक दूध और घंटिया खाद्य सामग्री से तैयार मिठाइयां ऊंचे दामों पर बेची जाती हैं। कई बार ग्राहक को यह पता ही नहीं चलता कि वह जिस मिठाई को शुद्ध और स्वादिष्ट समझकर खरीद रहा है, उसमें इस्तेमाल की गई सामग्री उसकी सेहत के लिए कितनी नुकसानदेह हो सकती है। यह केवल उपभोक्ता के साथ आर्थिक धोखाधड़ी नहीं, बल्कि उसके स्वास्थ्य और विश्वास के साथ किया जाने वाला गंभीर अपराध है।

हम सभी जानते हैं कि मिलावट का यह कारोबार केवल

तनावपूर्ण बना दिया है। सवाल यह है कि जिस जनता को सस्ती रोटी, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और सुगम आवागमन चाहिए, उसकी मांगों का जवाब टकराव से क्यों दिया जा रहा है?

पीओके में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन को लेकर पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की भूमिका पर भी गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। आंदोलन को कमजोर करने के लिए जम्मू-कश्मीर यूनाइटेड मूवमेंट नामक संगठन के इस्तेमाल और उसके माध्यम से प्रदर्शनकारियों के सामने गतिरोध पैदा करने के आरोप सामने आए हैं। रिपोर्ट में इस संगठन के साथ लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े लोगों के संबंध होने का भी दावा किया गया है। मुजफ्फराबाद में इस संगठन के बैनर लेते निकले जुलूस के दौरान अवामी समर्थकों पर गोलीबारी होने तथा कुछ लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की बात कही गई है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। यदि किसी शांतिपूर्ण आंदोलन को बाधित करने के लिए हथियारबंद लोगों का इस्तेमाल किया गया है, तो यह कानून-व्यवस्था और नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत गंभीर मामला है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जनता की मूलभूत जरूरतें अब राजनीतिक और प्रशासनिक टकराव का रूप लेती दिखाई दे रही हैं।

मिठास के नाम पर जहर : त्योहारों में मिलावट का बढ़ता कारोबार

मिठाइयों तक ही सीमित नहीं हैं। दूध, घी, पनीर, मावा, मसाले, तेल, दालें, सूखे मेवे और यहां तक कि रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले कई खाद्य पदार्थ भी इसकी चपेट में हैं। कहीं दूध में पानी और अन्य रासायनिक पदार्थ मिलाए जाते हैं, तो कहीं पनीर और मावा तैयार करने में गैर-मानक सामग्री का इस्तेमाल होता है। मसालों में रंग और अन्य अवांछित पदार्थ मिलाकर उन्हें आकर्षक बनाया जाता है। खाद्य तेलों में मिलावट और नकली ब्रांडों के नाम पर बिक्री की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। त्योहारों के अवसर पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर सरकारी स्तर पर भी चिंता जताई जाती है। यहां पाठकों को बताता चर्चु कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने 29 सितंबर 2026 को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र जारी कर नवरात्र और दीपावली के दौरान खाद्य पदार्थों की जांच, निगरानी और नमूने लेने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। इसमें दूध एवं दुग्ध उत्पादों, मिठाइयों, नमकीन, खाद्य तेल और घी को विशेष निगरानी में रखने को कहा गया लेकिन यहां सवाल यह उठता है कि जब हर साल त्योहारों से पहले ऐसे निर्देश जारी होते हैं, तब भी मिलावट का कारोबार आखिर क्यों नहीं रुकता? इस क्रम में हाल के घटनाक्रम इस समस्या की गंभीरता को उजागर करते हैं। दिल्ली में अक्टूबर 2026 के शुरुआती दिनों में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के दौरान 4,100 किलोग्राम से अधिक सिंथेटिक मिलावटी मावा और पनीर नष्ट किए जाने की खबर सामने आई। इतना ही नहीं, हाल ही में 29 अक्टूबर को भी दिल्ली के तीन बाजारों में छापेमारी के दौरान करीब 949 लीटर घंटिया घी जब्त किया गया। वहीं, हरियाणा के मेवात क्षेत्र में भी लगभग 10 हजार किलोग्राम मिलावटी पनीर जब्त किए जाने की जानकारी सामने आई। राजस्थान की राजधानी जयपुर में भी दीपावली से पहले घंटिया मावे और खाद्य तेल की आपूर्ति रोकने के लिए विशेष जांच अभियान चलाने की तैयारी की गई। अधिकारियों ने माना कि त्योहारों में मांग बढ़ने के कारण आसपास के जिलों से बड़ी मात्रा में घंटिया मावा बाजार में पहुंचने का खतरा रहता है। इसी तरह उदयपुर में भी 29 अक्टूबर को लसाड़िया क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के दौरान 45 किलोग्राम अस्वच्छ मावा और 7 किलोग्राम घंटिया मिठाइयां जब्त कर नष्ट किए जाने की खबर सामने आई। वास्तव में, ये घटनाएं बताती हैं कि मिलावट की समस्या किसी एक शहर, प्रदेश या मिठाई

की दुकान तक सीमित नहीं है। यह एक संगठित और व्यापक समस्या का रूप ले चुकी है।

वास्तव में, सबसे चिंताजनक बात यह है कि मिलावटखोरों के हासिले केवल इसलिए बुलंद नहीं है कि बाजार में खाद्य पदार्थों की मांग अधिक है, बल्कि इसलिए भी कि उन्हें कानून का पर्याप्त भय नहीं है।यह बात ठीक है कि समय-समय पर छापेमारी होती है, कुछ नमूने भी लिए जाते हैं, कुछ दुकानों से खाद्य सामग्री जब्त होती है और खराब सामग्री नष्ट कर दी जाती है। मीडिया में कार्रवाई की खबरें सुर्खियां बनती हैं, लेकिन कुछ समय बाद सब कुछ पहले जैसा ही हो जाता है। असली जरूरत केवल त्योहारों पर दिखावटी सक्रियता की नहीं, बल्कि पूरे वर्ष निरंतर निगरानी और दोषियों के विरुद्ध ऐसी कठोर कार्रवाई की है, जिससे मिलावट का कारोबार करने वालों में कानून का वास्तविक भय पैदा हो।आज सोशल मीडिया का युग है और सोशल मीडिया के इस दौर में मिलावट के कारोबार की तस्वीरें और वीडियो भी अक्सर सामने आते रहते हैं। कहीं नकली मावा बनाने की प्रक्रिया दिखाई जाती है, तो कहीं रासायनिक पदार्थों से दूध तैयार करने और वनस्पति व अन्य सस्ता मिलाकर घी बनाने के वीडियो प्रसारित होते हैं। ये वीडियो लोगों को विचलित करते हैं और कुछ समय तक चर्चा का विषय भी बने रहते हैं, लेकिन केवल वीडियो वायरल होने से समस्या का समाधान नहीं हो सकता। ऐसे मामलों की गंभीरता से जांच होनी चाहिए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित लोगों के विरुद्ध तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। आखिर खाद्य सुरक्षा विभाग और प्रशासन की जिम्मेदारी केवल शिकायतों का इंतजार करना नहीं, बल्कि ऐसी गतिविधियों पर पहले से नजर रखना भी है। यहां यह बात भी बिस्कुल सही है कि देश में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कानूनों की कमी नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत असुरक्षित खाद्य पदार्थों के उत्पादन और बिक्री पर गंभीर दंड का प्रावधान है। यदि असुरक्षित खाद्य पदार्थ के सेवन से किसी व्यक्ति को चोट पहुंचती है, गंभीर चोट लगती है अथवा मृत्यु होती है तो अपराध की गंभीरता के अनुसार कारावास और जुर्माने की सजा हो सकती है। मृत्यु के मामले में कम से कम सात वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक का प्रावधान है। इसके बावजूद कानून का प्रभाव तभी दिखाई देगा, जब उसकी निष्पक्षता से पालना हो और दोषियों को समय पर सजा

भरोसा मिलना जरूरी है कि संकट के समय शासन उसके साथ खड़ा है। आंदोलन का दायरा अब विद्यार्थियों तक भी पहुंच गया है। मंगलवार को कोटली, रावलाकोट और पंछ के विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों ने जुलूस निकाले और पाकिस्तानी सेना को वापसी के नारे लगाए। विद्यार्थियों का कहना है कि लगभग साढ़े चार महीने से जारी आंदोलन और उससे पैदा हुई परिस्थितियों ने उनकी पढ़ाई को प्रभावित किया है। शिक्षा किसी भी समाज के भविष्य की बुनियाद होती है। लंबे समय तक शैक्षणिक गतिविधियों में व्यवधान से विद्यार्थियों की परीक्षा, रोजगार और आगे की पढ़ाई पर असर पड़ सकता है। जब युवा अपनी शैक्षणिक समस्याओं के साथ शासन के प्रति असंतोष भी व्यक्त करने लेंगे, तो इसे केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर खारिज नहीं किया जा सकता। उनकी शिकायतों को सुनना और समाधान की दिशा में कदम उठाना जरूरी है। पीओके में उठते असंतोष के बीच आजादी के नारे और पाकिस्तानी सेना के खिलाफ बढ़ती नाराजगी इस बात के संकेत हैं कि आंदोलन का स्वरूप व्यापक होता जा रहा है। हालांकि, इन नारों के समर्थन का वास्तविक दायरा निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र और विश्वसनीय जानकारी जरूरी है। फिर भी जनता की शिकायतों को लगातार अनसुना किए जाने से असंतोष बढ़ने की आशंका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

मिले। विदेशों में खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता के स्वास्थ्य को लेकर कई देशों ने सख्त निगरानी व्यवस्थाएं विकसित की हैं। वहां खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, उत्पादन प्रक्रिया, भंडारण और बिक्री तक पर निगरानी रखी जाती है। पाठकों को बताता चर्चु कि वैश्विक स्तर पर, यूरोपीय संघ में खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ता स्वास्थ्य को लेकर दुनिया के सबसे सख्त कानून और निगरानी व्यवस्थाएं हैं। गौरतलब है कि यूरोपियन फूड सेफ्टी ऑथॉरिटी एहतियाती सिद्धांत पर काम करती है, जिसका अर्थ है कि किसी भी खाद्य योजक, रसायन या नए उत्पाद को तब तक बाजार में बिकने की अनुमति नहीं दी जाती, जब तक कि उसका सुरक्षित होना वैज्ञानिक रूप से 100व सख्ति न हो जाए। यही कारण है कि दुनिया के कई अन्य हिस्सों में धड़ड़े से इस्तेमाल होने वाले रसायनों, कीटनाशकों, कृत्रिम रंगों और जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों पर यूरोप में पूरी तरह से प्रतिबंध है। यूरोपीय देशों (विशेषकर जर्मनी और फ्रांस) के अलावा जापान और ऑस्ट्रेलिया में भी खाद्य मानकों, पैकेजिंग और मिलावट को लेकर अत्यंत कठोर कानून लागू हैं। हमारे देश में भी ऐसी व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की पर्याप्त नियुक्ति, आधुनिक जांच प्रयोगशालाएं, मोबाइल खाद्य परीक्षण वाहन, नियमित निरीक्षण और प्रयोगशालाओं से समयबद्ध जांच रिपोर्ट मिलना जरूरी है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों और प्रतिष्ठानों पर निगरानी रखी जानी चाहिए, जहां बड़े पैमाने पर मावा, पनीर और मिठाइयों का उत्पादन होता है। इतना ही नहीं, खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर महीनों तक रिपोर्ट की प्रतीक्षा करने के बजाय जांच और कार्रवाई की प्रक्रिया में तेजी लानी होगी।इसके साथ ही उपभोक्ताओं को भी जागरूक होने की जरूरत है। हमें मिठाइयां खरीदते समय विश्वसनीय दुकानों को प्राथमिकता देनी चाहिए, और पैकिंग पर निर्माण एवं उपयोग की अंतिम तिथि, आपसी और खाद्य लाइसेंस संबंधी जानकारी अवश्य देखनी चाहिए। हमें यह चाहिए कि हम खुदने में रखी गई मिठाइयों, अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार खाद्य पदार्थों और असाधार्य रंग या गंध वाली सामग्री से बचें तथा केवल चमक-दमक और आकर्षक पैकिंग को ही शुद्धता का प्रमाण न मानें। हमारा यह दायित्व बनता है कि किसी खाद्य पदार्थ में मिलावट का संदेह होने पर हम खाद्य सुरक्षा विभाग में शिकायत दर्ज कराएं। जागरूक उपभोक्ता भी मिलावट के विरुद्ध एक प्रभावी शक्ति बन सकता है।

## सरदार पटेल: जिसकी दृढ़ता के आगे झुक गई सैंकड़ों रियासतें



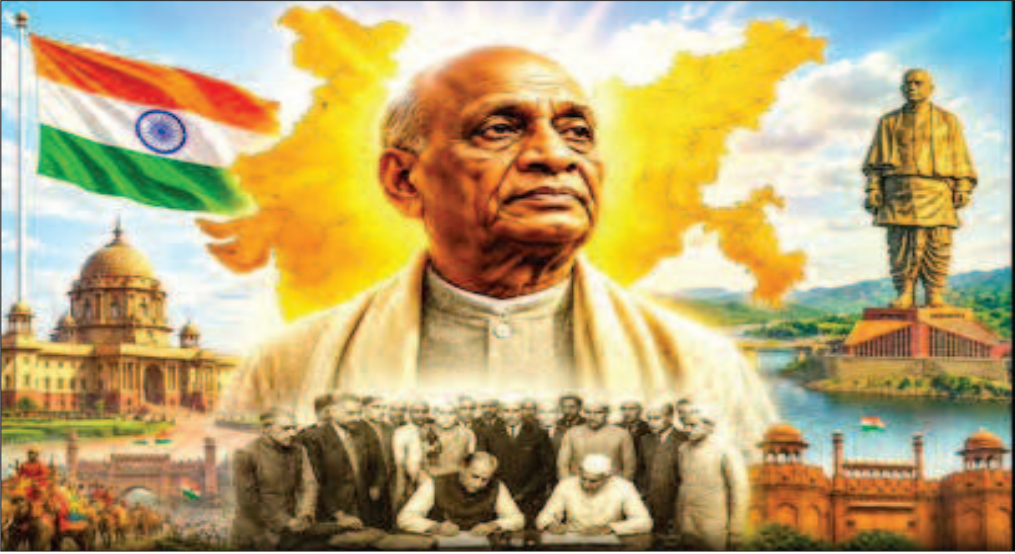
योगेश कुमार गोयल

**सरदार पटेल ने अपने जीवन से यह साबित किया कि मजबूत इच्छाशक्ति, स्पष्ट सोच और देशहित में लिए गए साहसिक निर्णय असंभव दिखने वाले कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। उन्होंने जिस एकजुट भारत का सपना देखा था, उसे सुरक्षित और मजबूत बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। वास्तव में, सरदार पटेल केवल इतिहास के महान नेता नहीं बल्कि भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के ऐसे अमर प्रतीक हैं, जिनकी प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों को सदैव मिलती रहेगी।**

भारत के राजनीतिक एकीकरण के महानायक सरदार पटेल...

भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण के इतिहास में सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाता है। वे ऐसे महान नेता थे, जिन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, साहस, दूरदर्शिता और निर्णय लेने की क्षमता से देश की दिशा बदल दी। वे केवल स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, स्वतंत्रता के बाद बिखरी हुई रियासतों को एकजुट कर मजबूत भारत की नींव रखने वाले महान शिल्पकार भी थे। इसी योगदान के सम्मान में उनकी जयंती 31 अक्टूबर को देशभर में ‘राष्ट्रीय एकता दिवस’ के रूप में मनाई जाती है। सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नाडियाद में एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। बचपन से ही वे साहसी, स्वाभिमानी और मेहनती थे। आर्थिक स्थिति सामान्य होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से शिक्षा प्राप्त की। कानून की पढ़ाई के लिए वे इंग्लैंड गए और वहां से बैरिस्टर बनकर लौटे। इसके बाद उन्होंने अहमदाबाद में वकालत शुरू की और शीघ्र ही एक सफल वकील के रूप में पहचान बना ली। लेकिन उनके मन में केवल व्यक्तिगत सफलता पाने की इच्छा नहीं थी। देश की गुलामी और आम लोगों की परेशानियां उन्हें भीतर तक प्रभावित करती थी।

महात्मा गांधी के विचारों और स्वतंत्रता आंदोलन से प्रभावित होकर उन्होंने अपनी सफल वकालत छोड़ दी और देशसेवा में जुट गए। वर्ष 1918 में गुजरात के खेड़ा जिले में किसानों की फसल खराब हो गई थी। इसके बावजूद अंग्रेज सरकार उनसे लगान वसूलना चाहती थी। पटेल ने किसानों को संगठित किया और लगान माफी के लिए आंदोलन का नेतृत्व किया। उनके नेतृत्व में किसानों ने एकजुट होकर सरकार का विरोध किया। अंततः अंग्रेज सरकार को किसानों की मांगों पर विचार करना पड़ा। इस आंदोलन ने पटेल को एक जननेता के रूप में स्थापित किया। वर्ष 1928 का बारडोली सत्याग्रह उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। अंग्रेज सरकार ने किसानों पर लगान बढ़ा दिया था जबकि वे पहले से ही आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे थे। पटेल ने गांव-गांव जाकर किसानों को संगठित किया और शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व किया। महिलाओं ने भी इस आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। किसानों की एकजुटता और पटेल के दृढ़ नेतृत्व के सामने अंग्रेज सरकार को झुकना पड़ा। इस आंदोलन की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने उन्हें ‘सरदार’ की उपाधि दी। तभी से वे सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम से



प्रसिद्ध हो गए। सरदार पटेल का सबसे बड़ा योगदान स्वतंत्रता के बाद देश की रियासतों का भारत में विलय कराना था। 15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब देश केवल अंग्रेजों से मुक्त नहीं हुआ था बल्कि उसके सामने एक और बड़ी चुनौती थी। देश में 562 से अधिक छोटी-बड़ी रियासतें थी, जिनमें से कुछ भारत में शामिल होना चाहती थी जबकि कुछ स्वतंत्र रहना या पाकिस्तान में जाना चाहती थी। यदि इन रियासतों का भारत में विलय नहीं होता तो देश की एकता और सुरक्षा के सामने गंभीर संकट खड़ा हो सकता था। उस समय सरदार पटेल देश के उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री थे। उन्होंने वी.पी. मेनन के सहयोग से रियासतों के शासकों से बातचीत शुरू की। उन्होंने उन्हें समझाया कि स्वतंत्र भारत में सभी राज्यों का भविष्य एक-दूसरे से जुड़ा है। उन्होंने संबाद, समझदारी, कूटनीति और आवश्यकता पड़ने पर कठोर निर्णयों के माध्यम से अधिकांश रियासतों को भारत में शामिल कराया। यह कार्य असान नहीं था लेकिन पटेल ने असाधारण धैर्य और दृढ़ता का परिचय दिया।

जूनागढ़ और हैदराबाद का भारत में विलय उनकी राजनीतिक सूझबूझ और दृढ़ नेतृत्व के महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। जूनागढ़ के

नवाब ने पाकिस्तान में शामिल होने का निर्णय लिया था जबकि वहां की अधिकांश जनता भारत में शामिल होना चाहती थी। भारत सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए कदम उठाए और अंततः जनमत संग्रह के माध्यम से जूनागढ़ का भारत में विलय हुआ। हैदराबाद के निजाम ने भारत में शामिल होने के बजाय स्वतंत्र रहने का प्रयास किया था। वहां रजाकारों की गतिविधियों से आम जनता में भय का माहौल था। बातचीत से समाधान नहीं निकलने पर सितंबर 1948 में भारत सरकार ने सैन्य कार्रवाई की, जिसे ‘ऑपरेशन पोलो’ कहा गया। पांच दिनों के भीतर हैदराबाद का भारत में विलय हो गया। इस प्रकार सरदार पटेल ने देश की एकता के मामले खड़ी बड़ी चुनौतियों का समाधान किया।

पटेल का योगदान केवल रियासतों के विलय तक सीमित नहीं था। उन्होंने स्वतंत्र भारत की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा को देश की एकता, स्थिरता और सुचारु शासन के लिए आवश्यक मानते थे। उनका विश्वास था कि एक मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था के बिना इतने विशाल और विविधतापूर्ण देश को एकजुट रखना कठिन होगा। उन्होंने इन सेवाओं को देश की प्रशासनिक रीढ़ बताया

हूए इनके संरक्षण और विकास पर जोर दिया। विभाजन के समय देश में सांप्रदायिक हिंसा, विस्थापन और असुरक्षा का गंभीर संकट पैदा हो गया था। लाखों लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए। ऐसे कठिन समय में पटेल ने राहत और पुनर्वास के कार्यों को प्राथमिकता दी। वे प्रशासन को लगातार सक्रिय रखते थे और शरणार्थियों की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देते थे। उनका मानना ​​था कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब देश के प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा, सम्मान और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

जवाहरलाल नेहरू के साथ सरदार पटेल के कई मुद्दों पर मतभेद थे लेकिन उन्होंने हमेशा देशहित को व्यक्तिगत विचारों से ऊपर रखा। पटेल का मानना ​​था कि देश को मजबूत बनाने के लिए नेतृत्व में सहयोग और आपसी विश्वास जरूरी है। उन्होंने अपने अनुभव और प्रशासनिक क्षमता से नवगठित सरकार को स्थिर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार पटेल का जीवन सादगी, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण था। वे दिखावे से दूर रहते थे और काम को सबसे अधिक महत्व देते थे। उनके लिए देशसेवा किसी पद या प्रतिष्ठा का विषय नहीं बल्कि जीवन का उद्देश्य थी। वे कठिन परिस्थितियों में भी निर्णय लेने से पीछे नहीं हटते थे। उनकी यही विशेषता उन्हें अन्य नेताओं से अलग पहचान देती है। 15 दिसंबर 1950 को मुंबई में सरदार पटेल का निधन हो गया। वर्ष 1991 में उन्हें मरणोपरान्त भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ‘भारत रत्न’ से सम्मानित किया गया। वर्ष 2018 में गुजरात के केरवडिया में उनकी 182 मीटर ऊंची प्रतिमा ‘स्टैच्यू ऑफ यूनिटी’ का लोकार्पण किया गया। यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है और उनके महान योगदान की याद दिलाती है। आज भारत उनके भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला देश है। हमारी यही विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन इस ताकत को बनाए रखने के लिए आपसी सम्मान, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता की भावना जरूरी है। सरदार पटेल ने अपने जीवन से यह साबित किया कि मजबूत इच्छाशक्ति, स्पष्ट सोच और देशहित में लिए गए साहसिक निर्णय असंभव दिखने वाले कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। उन्होंने जिस एकजुट भारत का सपना देखा था, उसे सुरक्षित और मजबूत बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। वास्तव में, सरदार पटेल केवल इतिहास के महान नेता नहीं बल्कि भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के ऐसे अमर प्रतीक हैं, जिनकी प्रेरणा आने वाली पीढ़ियों को सदैव मिलती रहेगी।







## नोवाक जोकोविच की स्विस् इंडोर्स बेसल में वापसी निराशाजनक

**नई दिल्ली।** नोवाक जोकोविच की स्विस् इंडोर्स बेसल में वापसी निराशाजनक रही, क्योंकि गुरुवार को सर्बियाई खिलाड़ी को जर्मनी के जान-लेनाई स्ट्रफ के हाथों दूसरे दौर में नाटकीय हार का सामना करना पड़ा। 39 वर्षीय खिलाड़ी दो घंटे 36 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7 (4), 7-5, 7-6 (5) से हार गए और अपने शानदार खिताबों के संग्रह में एक और खिताब जोड़ने का मौका गंवा बैठे। इस हार का मतलब यह भी है कि जोकोविच को रोजर फेडरर के 103 करियर खिताबों के अंतर को कम करने के लिए इंतजार करना होगा। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने इस महीने की शुरुआत में बीजिंग में चाइना ओपन में अपना 102वां टूर-स्तरीय खिताब जीता था। पुरुष टैनिस् में केवल फेडरर (103 खिताब) और जिमी कॉनर्स (109 खिताबों के साथ सर्वकालिक रिकॉर्ड) ने ही जोकोविच से अधिक एकल खिताब जीते हैं। जोकोविच के बेसल अभियान में इतिहास का एक और पहलू जुड़ गया । 2011 के बाद पहली बार वह इस टूर्नामेंट में लौटे थे, जहां उन्होंने 2009 में फेडरर को फाइनल में हराकर खिताब जीता था। बेसल में पले-बढ़े फेडरर ने अपने गुरुनगर में रिकॉर्ड 10 बार ट्राफी जीती है और 2010 के फाइनल में जोकोविच को मात दी थी। सर्बियाई खिलाड़ी 2011 में सेमीफाइनल तक भी पहुंचे थे। विश्व रैंकिंग में 47वें स्थान पर काबिज स्ट्रफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को बाहर कर दिया। जोकोविच ने पहला सेट टाई-ब्रेक में जीता, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अपने पहले ब्रेक-पॉइंट को भुताते हुए वापसी की और मैच को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक सेट एक और टाई-ब्रेक में गया, जहां स्ट्रफ ने संयम बनाए रखा और अपने 27वें ऐस के साथ जीत हासिल कर ली, जिससे जोकोविच के पास वापसी का कोई मौका नहीं बचा।

**जोकोविच की एटीपी फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों का झटका लगा**  
बेसल से बाहर होना जोकोविच के लिए टयूरिन में होने वाले सीजन के आखिरी एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की राह में एक बड़ा झटका है। उनके पास खिताब जीतकर रैंकिंग में महत्वपूर्ण अंक हासिल करने का मौका था, खासकर राफेल जोडर की हार के बाद जब क्वालीफाई करने का रास्ता खुल गया था। इस हार के बाद, जोकोविच स्पेनिश खिलाड़ी से 319 अंक पीछे है, और एटीपी फाइनल्स से पहले पेरिस मास्टर्स आखिरी टूर्नामेंट है। एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट रोलेंस पेरिस मास्टर्स 2 से 8 नवंबर तक आयोजित होने वाला है। जोकोविच तीन साल के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में वापसी कर रहे हैं, जहां उन्होंने रिकॉर्ड छह बार खिताब जीता है। पेरिस में उनका शानदार प्रदर्शन टयूरिन में जगह पक्की करने की उनकी उम्मीदों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। इस बीच, शीर्ष वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को भी बेसल में अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। उन्हें विश्व रैंकिंग में 222वें स्थान पर मौजूद स्विस् वाइल्डकार्ड खिलाड़ी जेरोम किम से हार मिली।

# मैच में 200 रन खा रहे, हार पर भड़के अय्यर, कहा- गेंदबाजी खराब हो रही

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ऑकलैंड के इंडन पार्क में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड ने भारत को 87 रनों से करारी शिकस्त दी। न्यूजीलैंड के दिए 260 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 172 रन ही बना सकी। हालांकि, पांच मैचों की इस टी20 सीरीज में भारतीय टीम अभी भी 3-1 से आगे चल रही है। मैच के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने हार स्वीकार करते हुए स्वीकार किया कि टीम की शुरुआत गेंदबाजी में उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और पॉवरप्ले में ही मैच का रुख न्यूजीलैंड की ओर झुक गया।

**अगले मैच से पहले तैयार होगी रणनीति**

अगले मुकाबले की रणनीति और परिस्थितियों में ढलने को लेकर श्रेयस ने कहा, ‘यह समझना महत्वपूर्ण है कि हम कहां बेहतर कर सकते हैं। हैमिल्टन जाने से पहले हमारे पास एक दिन का ब्रेक है इसलिए हम रणनीति बनाएंगे और अगले मैच में अपनी पूरी क्षमता से अमल करने की कोशिश करेंगे। हम जानते थे कि इस मैदान के आयाम (बाउंड्री) अलग हैं और कुछ खिलाड़ी पहली बार ऐसे मैदानों पर खेल रहे थे।’

उन्होंने आगे कहा, ‘परिस्थितियों में ढलने में थोड़ा समय लगता है। शुरुआत के तीनों मैचों में खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा था, यह एक सीखने की प्रक्रिया है। उम्मीद है कि हम अगले मैच में सकारात्मक सोच के साथ वापसी करेंगे।’



### ग्लेन फिलिप्स की पारी असाधारण थी, गेंदबाजों पर फाड़ा बिल

मैच के बाद बात करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा, ‘निश्चित रूप से, मुझे लगता है कि शुरुआत में हमारी गेंदबाजी थोड़ी कमजोर रही। पॉवरप्ले में, खासकर तीसरे ओवर से उन्होंने जो लय हासिल की, उसके बाद कुछ गेंदबाजों ने वापसी कराने की कोशिश की, लेकिन ग्लेन फिलिप्स की पारी असाधारण थी। उन्होंने कुछ ऐसे शॉट खेले जो देखना किसी आनंद से कम नहीं था। उन्हें इसका श्रेय जाता है, वह पूरी सीरीज में रनंतर प्रदर्शन कर रहे हैं और उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है।’

## उपलब्धि...अर्शदीप सिंह ने तोड़ा जोश लिटिल का रिकॉर्ड



**नई दिल्ली।** न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 38 रन देकर एक विकेट लिया। इस एक विकेट के दम पर वो भारत की तरफ से टी20आई में 150 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने साथ ही साथ उन्होंने जोश लिटिल का रिकॉर्ड तोड़ दिया और एक कैलेंडर वर्ष में क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर (फूल मेंबर टीम) भी बने।अर्शदीप सिंह ने कीवी टीम के खिलाफ चौथे टी20 मैच में एक विकेट लिया और वो एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए। उन्होंने जोश लिटिल के द्वारा बनाया गया 4 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। लिटिल ने साल 2022 में 39 विकेट लिए थे और अब वो दूसरे नंबर पर आ

गए। इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर वार्निंदु हसरंगा हैं जिन्होंने साल 2024 में कुल 38 विकेट लिए थे जबकि भुवनेश्वर कुमार चौथे नंबर पर हैं जिन्होंने साल 2022 में 37 विकेट हासिल किए थे।

**अर्शदीप सिंह ने पूरे किए 150 विकेट**

अर्शदीप सिंह ने कीवी टीम के खिलाफ चौथे मैच में एक विकेट लिया और वो भारत की तरफ से 150 विकेट लेने वाले टी20आई प्रारूप में पहले बॉलर बने। वो भारत की तरफ से टी20आई में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर जसप्रीत बुमराह हैं जिन्होंने अब तक कुल 126 विकेट लिए हैं जबकि तीसरे नंबर पर अक्षर पटेल हैं जिन्होंने अब तक कुल 116 विकेट लिए हैं।

# पैन पैसिफिक ओपन: चोट के कारण हटी एलेना

**टोक्यो।** दुनिया की नंबर 1 एलेना रिबाकिना का पैन पैसिफिक ओपन में अभियान शुक्रवार को समय से पहले समाप्त हो गया। कजाकिस्तान की इस खिलाड़ी ने गर्दन की चोट के कारण डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इस वजह से कनाडा की लेयला फर्नांडीज सेमीफाइनल में पहुंच गईं। रिबाकिना ने गर्दन में सूजन और दर्द को नाम वापस लेने का कारण बताया, और बताया कि इस समस्या ने उनके बेस्ट परफॉर्म करने की क्षमता पर असर डाला था।

उन्होंने कहा, ‘मुझे यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मुझे अपने अगले मैच से हटना पड़ा है। बदकिस्मती से, मेरी गर्दन में सूजन और दर्द हो रहा है, जिससे मैं अपना बेस्ट नहीं दे पा रही हूं। यह बहुत मुश्किल फैसला है, क्योंकि मुझे यहां खेलना पसंद है और मैं हमेशा फैंस के जबरदस्त सपोर्ट की तारीफ करती हूं। मुझे उम्मीद है कि मैं अगले साल फिर वापस आऊंगी। आप सभी की लकी लूजर कामिला राखिमोवा से थिडेंगी, जिसमें फाइनल में उनकी जगह दांव पर लगी है। राखिमोवा ने तीन सेट के मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर माया जॉइंट को



7-5, 5-7, 6-1 से हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की। 2026 यूएस ओपन चैंपियन के लिए एक अहम सप्ताह के बाद रिबाकिना का हटना एक झटका है। गुरुवार को, उन्होंने हमवतन यूथिया पुतिनत्सेवा को 70 मिनट में 6-2, 6-3 से हराकर अपने करियर में पहली बार साल के आखिर में टॉप रैंकिंग हासिल की। कजाख खिलाड़ी ने पुतिनत्सेवा के खिलाफ शानदार सर्विंग परफॉर्मेंस दी, जिसमें उन्होंने अपने पहले सर्व पॉइंट्स में से 75 प्रतिशत और दूसरे सर्व के पीछे 57 प्रतिशत पॉइंट्स जीते।

### पाकिस्तान के लिए विदेशी कोच की तलाश करेगी पीसीबी

**नई दिल्ली।** लगातार निराशाजनक परिणामों के बावजूद पूर्व टेस्ट टैज गेंदबाज वहाब रियाज को टीम में बनाए रखने के बाद, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आखिरकार अपनी राष्ट्रीय महिला टीम के लिए एक विदेशी कोच की तलाश करने का फैसला किया है। बोर्ड के एक विश्वसनीय स्रोत ने शुक्रवार को बताया कि पीसीबी जल्द ही महिला टीम के मुख्य कोच के पद के लिए विज्ञापन जारी करेगा, जिसमें विदेशी उम्मीदवार को प्राथमिकता दिए जाने की संभावना है। हालांकि, ‘महिला टीम के अगले अंतरराष्ट्रीय दौर, जो कि वेस्ट इंडीज का दौरा है, से पहले यह नियुक्ति की जाएगी।’ भारत और श्रीलंका में आयोजित आईसीसी महिला 50 अंतर विश्व कप में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद नवंबर में मुख्य कोच मुहम्मद वसीम को हटाए जाने के बाद से वहाब पिछले दिसंबर से महिला टीम को सलाह दे रहे हैं। हालांकि, वहाब की कप्तानी में टीम अपने प्रदर्शन में सुधार करने में विफल रही है।

# हाइलो ओपन बैडमिंटन... सिंधु-लक्ष्य पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

**सिंधु ने सीधे गेम में जीता मैच, मालविका और इशरानी बाहर**

**नई दिल्ली।** भारत की पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को जर्मनी के सारबुक्नन में चल रहे हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सिंधु ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में फ्रांस की रोसी ओब्टाविया पंकसारी को 26 मिनट में 21-9, 21-6 से हराया। पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन ने हमवतन किरण जॉर्ज को 54 मिनट में 21-15, 18-21, 21-12 से शिकस्त दी। दूसरी ओर मालविका बंसोड़ और इशरानी बरुआ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने फ्रांस की पंकसारी के खिलाफ शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए। फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले राउंड में प्रकृति भारत को हराया था। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना डेनमार्क की अमली शुल्ज से होगा।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने फ्रांस की पंकसारी को दोनों गेम में वापसी का मौका नहीं दिया। सिंधु ने मुकाबले में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी को 15 पॉइंट मिले।

भारत के टॉप रैंकिंग वाले पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने प्री-क्वार्टर फाइनल में हमवतन किरण जॉर्ज को हराया। लक्ष्य ने पहला गेम 21-15 से

**रिपोर्ट में किया जा रहा दावा**



## रोहित शर्मा की कप्तानी में एमआई के लिए खेलने को तैयार हैं हार्दिक पांड्या

**नई दिल्ली।** हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस में अपने भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता को दरकिनार करने के लिए तैयार दिख रहे हैं, भले ही इसका मतलब रोहित शर्मा की कप्तानी में फ्रेंचाइजी में वापसी करना ही क्यों न हो। आईपीएल 2027 से पहले अभी भी ट्रेड को लेकर बातचीत अधूरी है, ऐसे में ऑलराउंडर कथित तौर पर मुंबई इंडियंस में बने रहने के लिए तैयार हैं, बजाय इसके कि वे कहीं और जाने की जिद करें। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर प्रस्तावित ट्रेड डील सफल नहीं होती है तो हार्दिक को रोहित की कप्तानी में खेलने में कोई आपत्ति नहीं है। यह संभावना फ्रेंचाइजी में उनके रिश्ते में एक दिलचस्प मोड़ लाती है, क्योंकि आईपीएल 2024 से पहले हार्दिक ने रोहित की जगह कप्तानी संभाली थी।

**हार्दिक-रोहित की वापसी के लिए तैयार**

2024 में हार्दिक की कप्तानी मुंबई इंडियंस के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत थी। हालांकि, नेतृत्व में यह बदलाव काफी आलोचनाओं के घेरे में आ गया, खासकर टीम के मुश्किल दौर से गुजरने के बाद। उस सीजन में हार्दिक की कप्तानी में रूढ़ ने अपने 14 मैचों में से सिर्फ चार मैच जीते और अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही। उनका खिताब का सूखा छह साल तक बढ़ गया, जिससे कप्तानी के फैसले को लेकर दबाव और बढ़ गया। दिलचस्प बात यह है कि पिछले सीजन के खत्म होने से पहले ही फ्रेंचाइजी ने रोहित को कप्तान के रूप में वापस लाने पर विचार किया था, जैसा कि इंडियन एक्सप्रेस ने रिपोर्ट किया है। सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह उन स्थापित खिलाड़ियों में शामिल थे जिन पर इस भूमिका के लिए विचार किया जा सकता था, जबकि तिलक वर्मा को भी भविष्य के लिए एक संभावित विकल्प के रूप में देखा जा रहा था।मुंबई ने आखिरकार उसी कप्तान को चुना जिसने उन्हें पांच आईपीएल खिताब दिलाए थे। हालांकि, रोहित ने पहले तिलक को संभावित उत्तराधिकारी के रूप में सुझाया था, जिसके बाद फ्रेंचाइजी ने उनसे दोबारा कप्तानी संभालने के लिए संपर्क किया। इंडियन एक्सप्रेस को एक सूत्र ने बताया कि रोहित ने फ्रेंचाइजी के साथ कई दौर की बातचीत के बाद सहमति जताई।



जीता, लेकिन दूसरे गेम में 18-21 से हार गए। निर्णायक गेम में लक्ष्य ने दमदार वापसी की और 21-12 से जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। महिला सिंगल्स में मालविका बंसोड़ को कनाडा की वेन यू झांग ने 21-11, 21-17 से हराया। मुकाबला 31 मिनट चला। मालविका पहले गेम में पिछड़ गईं और दूसरे गेम में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद मैच नहीं बचा सकीं।

# विश्व कुश्ती चैंपियनशिप... कजाखस्तान में तनु शर्मा ने रचा इतिहास

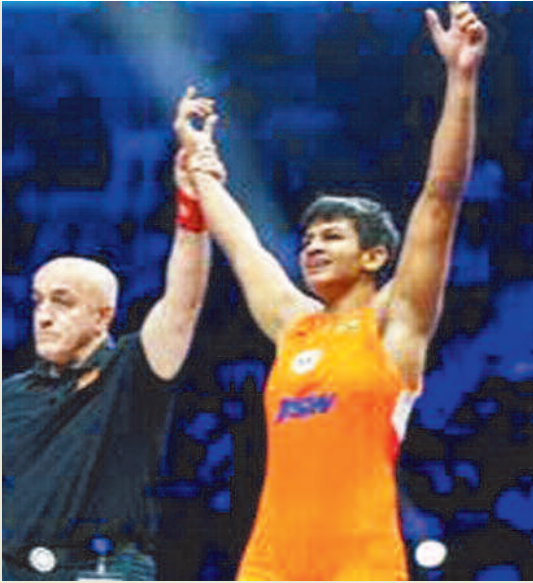
**नई दिल्ली।** बचपन में एक कुत्ते के हमले का डटकर मुकाबला करने वाली हरियाणा की तनु शर्मा ने अब कुश्ती के मैट पर दुनिया की दिग्गज पहलवानों को पटखनी देकर इतिहास रच दिया है। कजाखस्तान के अस्ताना में आयोजित 2026 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में 20 साल की तनु शर्मा ने महिलाओं के 72 किलोग्राम भार वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में अमेरिका की प्रेशियस बेल को 9-5 से हराया। तनु शर्मा इसके साथ ही विश्व रेसलिंग चैंपियनशिप में इस भार वर्ग में पदक जीतने वाली पहली भारतीय पहलवान बन गईं। संस्कृत विषय के शिक्षक की बेटी तनु शर्मा की सीनियर स्तर पर यह पहली विश्व चैंपियनशिप थी। वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में जब तनु शर्मा का मुकाबला प्रेशियस बेल से हो रहा था। तब अस्ताना से करीब 3000 किलोमीटर दूर हरियाणा के हांसी जिले के भकलाना गांव में उनके पिता वीरेंद्र

शर्मा घर में बेचैनी से इधर-उधर टहल रहे थे।

सरकारी स्कूल में संस्कृत के शिक्षक वीरेंद्र शर्मा घबराहट के कारण कभी अपनी बेटी का मैच नहीं देखते। जब तनु शर्मा ने प्रेशियस को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता तो परिजन खुशी से झूम उठे। यह देखकर वीरेंद्र शर्मा ने राहत की सांस ली। वीरेंद्र शर्मा ने ‘द इंडियन एक्सप्रेस’ को बताया, ‘मैं अपनी बेटी का मैच कभी नहीं देखता। इससे मुझे घबराहट होती है।’ उनकी बड़ी बेटी दौड़ती हुई उनके पास आई और उन्हें यह अच्छी खबर सुनाई। तनु शर्मा की बहन प्रियंका ने मजाक में कहा, ‘पापा हमेशा मैच का रीप्ले देखते हैं और वह भी तब जब तनु शर्मा जीत जाती है। अगर वह हार जाए तो पापा मैच नहीं देख पाते।’ तनु शर्मा ने अपने पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर सीनियर स्तर पर डेब्यू साल का शानदार समापन किया। इससे पहले इसी साल तनु शर्मा ने 20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था।

### मजबूत और निडर बच्ची

तनु शर्मा एक ऐसे परिवार से आती हैं जहां पढ़ाई-लिखाई को अहमियत दी जाती है। शिक्षक पिता की बेटी तनु शर्मा की बड़ी बहन भी शिक्षिका बनने के लिए क़श्द कर रही हैं। हालांकि, तनु शर्मा की बचपन से ही खेलों में रुचि थी। वीरेंद्र शर्मा ने बताया, ‘‘वह बचपन से ही काफी मजबूत थी। जब वह तीसरी कक्षा में थी तो एक घटना घटी जो काफी डरावनी थी। एक कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया, लेकिन तनु ने डटकर मुकाबला किया और उसे खदेड़ दिया। बाद में उसने हमें बताया कि इस दौरान कुत्ते ने उसे काट भी लिया था। हम उसे अस्पताल ले गए, लेकिन हमें यह समझ आ गया था कि वह कितनी मजबूत है।’’ तनु के शरीर की बनावट और खेलों में उनकी रुचि को देखते हुए उनके चाचा नरेंद्र फौजी चाहते थे कि वह एक पहलवान बनें।



### सीनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन

2026 विश्व चैंपियनशिप तनु का पहला सीनियर टूर्नामेंट था। अपनी पहले विश्व चैंपियनशिप में ही कांस्य पदक जीतना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। संजय इसका श्रेय तनु शर्मा की मानसिक मजबूती और समझदारी को देते हैं। संजय सिहाग ने बताया, ‘‘तनु एक समझदार पहलवान है। पहलवानों के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे खेल की समझ (गेम इंटेलेिजेंस) बेहतर होती है। तनु अपनी ताकत के साथ-साथ दिमाग का भी इस्तेमाल करती है।’’ विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में तनु शर्मा अपना पहला मुकाबला पोलैंड की विक्टोरिया चोलुज से हार गई थीं। हालांकि, विक्टोरिया के फाइनल में पहुंचने के बाद तनु शर्मा ने ‘रेपेवेज’ राउंड में टयूनीशिया की मौजूदा अग्रणी चैंपियन जैनाब सघायर को हराया। फिर कांस्य पदक मुकाबले में मौजूदा पैन अमेरिकन चैंपियन बेल को मात दी। संजय ने बताया, ‘‘तनु स्वभाव से काफी भावुक है। पदक जीतने के बाद जब उसने मुझे फोन किया तो वह रो रही थी। हालांकि, भावुकता कभी-कभी उसके लिए मददगार भी साबित होती है।

## टाईम पास

## आज का राशिफल



चू ये घो ला ली  
लू ले ओ आ

व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनी का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदेनति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-3-6-8



इ उ ए ओ वा  
वी वू वे वो



का की कू ख ड  
छ के को हा

रूपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मैल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9



ही हू हे हो डा  
डी डू डे डो



मा मी मू मे मो  
टा टी टू टे

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारि बढ़ने के आसार रहेगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6



रो पा पी पूष  
ण ण पे पो

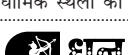


रा टी छ रे रो  
ता ती तू ते

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

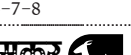


तो ना नी नू ने  
नो य वी यू

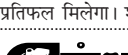


ये यो भा मी मू  
धा फा छा छे

थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

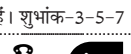


मे जा नी खी खू  
खे खो णा नी



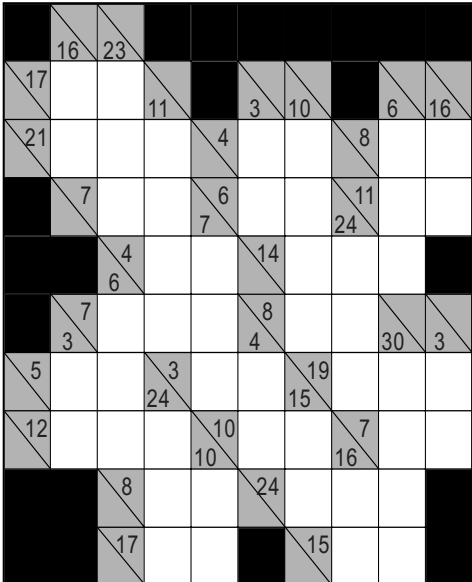
गू गे गो सा  
सी सू से सो दा

प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संचाल होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सम्बन्धों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6



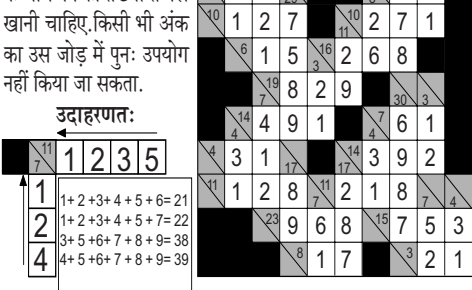
री दू थ ज्ञ ज दे  
दो चा ची

## काकुरो पहेली - 4055

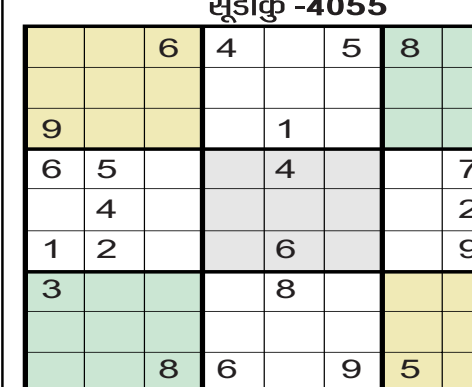


खाली वॉर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता।

## काकुरो - 4054 का हल

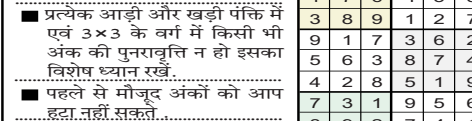


## सुडोकु -4055



■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक पूरे जाने आवश्यक हैं।  
■ प्रत्येक आंश और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।  
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।  
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

## सुडोकु - 4054 का हल



## लॉफिंग जॉन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा। लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

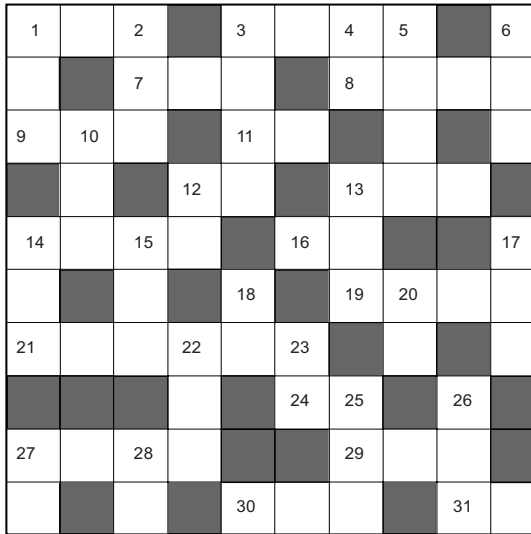
एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

## फिल्म वर्ग पहेली- 4055



बायें से दायें:-  
१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३  
२. 'साधिन' की सच्ची घटना पर आधारित खुबीर यादव, नंदिता की फिल्म-४  
३. ऋषिकपुर, शाहरुख, दिव्या भारती की फिल्म-३  
४. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४  
५. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१  
६. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, विद्या की फिल्म-२  
७. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राहमा, शिल्पा की 'उन से प्यारे' गीत वाली फिल्म-२  
८. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३  
९. ऋषिकपुर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४  
१०. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या का फिल्म-२  
११. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४  
१२. 'ये चाँद सा' गीत वाली शमी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२  
१३. अरुण गोविल, साहिना की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२  
१४. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपुर, नसीर, रेखा की फिल्म-४  
१५. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३  
१६. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३  
१७. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

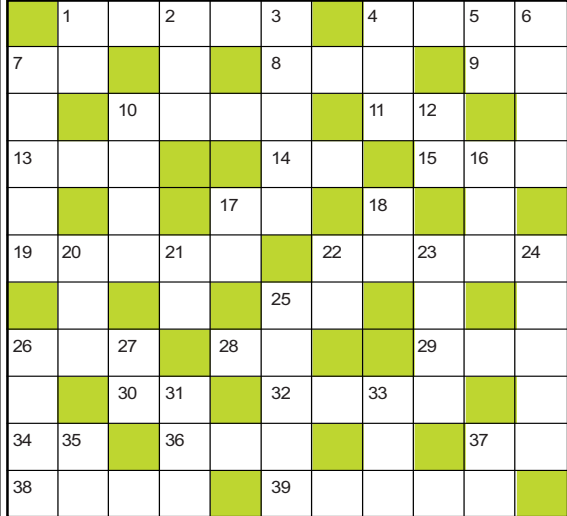
## ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीरा, जीत की फिल्म-३  
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१  
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४  
४. सनी, शाहरुख, जूही की फिल्म-२  
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४  
६. जोतेन्द्र, बबिता की फिल्म-३  
७. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, बिजया की फिल्म-३  
८. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२  
९. राजकुमार, मीना की फिल्म-३  
१०. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३  
११. 'घर आज पदसे' गीत वाली फिल्म-३  
१२. राजेंद्रकुमार, वहीरा राहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३  
१३. 'दो नैनो के पंख' गीत वाली फिल्म-२  
१४. सनी, समीर की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२  
१५. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३  
१६. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२  
१७. 'मेरा मन भंगवा' गीत वाली फिल्म-३  
१८. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३  
१९. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२  
२०. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

## फिल्म वर्ग पहेली- 4054



## शब्द पहेली - 4055



## बाएँ से दाएँ

१. सहयोग की भावना-5  
२. अकस्मात, एकाएक-4  
३. पराजय-2  
४. नाव चलाने वाला-3  
५. भीगा हुआ-2  
६. अनुवाद-4  
७. बेल-2  
८. योग्य, सही-3  
९. काष्ठ गाड़ी-2  
१०. काष्ठ, गजल-3  
११. अद्वैतभाव, कुर्बान-2  
१२. नामकरण-2,3  
१३. राजा का महल-5  
१४. प्रेम, ममता-2  
१५. कपड़े की दोवार-3  
१६. रास्ता, मार्ग-2  
१७. सिर, खोपड़ी-3  
१८. माप-2  
१९. गुस्सा करना-4  
२०. व्यंग्य, चुटुकी बात-2  
२१. नायक, नेता-3  
२२. एक आंख वाला-2

## कौंधना-5

२३. कुल्लुन स्त्री, देवी (उर्दू)-5  
२४. भगवान, ईश्वर-4  
२५. पेड़ का मध्य भाग-2  
२६. पटाखे की बातों, -3  
२७. अविच्छिन्न-3  
२८. नृत्य, डांस-2  
२९. छोटी सवारी गाड़ी-2

## शब्द पहेली - 4054 का हल



खूबसूरत दिखने के लिए चेहरे की देखभाल के चक्कर में ज्यादातर लोग गर्दन को भूल जाते हैं। नतीजा, गर्दन और चेहरे की रंगत अलग-अलग। कैसे निखारें अपनी गर्दन की खूबसूरती, बता रहा है यह आलेख।

## ऐसे निखारें, अपनी गर्दन की खूबसूरती

## कम उम्र से ही ध्यान देने की जरूरत

शरीर के अन्य भागों से गर्दन कुछ अलग होती है, वो इसलिए, क्योंकि इसके सेल्स शरीर के बाकी सेल्स जैसे नहीं होते। यहां की खाल बेहद पतली होती है और इसमें सिकुड़न जल्दी आ जाती है। इसको सही तरीके से समझाते हुए डर्मटोलॉजिस्ट डॉक्टर बताते हैं कि गर्दन की डर्माइसिस पतली होने के कारण यहां कॉलेजन अधिक मात्रा में मौजूद नहीं रहता और यहां झुर्रियां जल्दी आने लगती हैं। यहां मौजूद मांसपेशियां किसी हड्डी से जुड़ी नहीं होती हैं, इस कारण यहां का मांस जल्दी लटकना भी शुरू हो जाता है। ये सब देर से हो, इसके लिए जरूरी है कि गर्दन की देखभाल कम उम्र से ही शुरू कर दी जाए।

## व्यायाम से बढ़ेगी चमक

■ बढ़ती उम्र का गर्दन पर जल्द और तेज असर नजर आने लगता है। चेहरे से पहले यहां की खाल और मांस ढीले पड़ने शुरू हो जाते हैं। इसके कसाव के लिए कुछ खास तरह के व्यायाम आपकी मदद कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपने व्यायाम में गर्दन की स्ट्रेचिंग को शामिल करना होगा, जिन्हें आपको दिन में एक या दो बार करना होगा। इसके अलावा कुछ खास योगासन भी गर्दन की त्वचा में कसाव लाने में आपके लिए मददगार साबित होंगे। इनमें गर्दन को आगे-पीछे और दाएं से बाएं मोड़ना भी शामिल है।



■ गत तरीके से किया गया व्यायाम आपकी गर्दन में झटका ला सकता है, इसलिए इन्हें अच्छी तरह से समझकर ही करना चाहिए।

## व्यूटी रूटीन में इन्हें करें शामिल

अपने व्यूटी रूटीन में आप जो देखभाल चेहरे की करती हैं, वैसी ही देखभाल गर्दन की भी करें। क्लींजिंग, स्क्रीनिंग, टोनिंग, मॉइस्चराइजिंग की जरूरत गर्दन को भी चेहरे जितनी ही है। सामान्यतः आप चेहरे पर लगाए जाने वाले उत्पाद ही गर्दन पर लगा सकती हैं, लेकिन यदि समस्या ज्यादा है तो बाजार में खास गर्दन की देखभाल के उत्पाद भी मौजूद हैं। इन्हें आप किसी जानकार के सुझाव के बाद खरीद सकती हैं। अगर सनस्क्रीन लगा रही हैं तो गर्दन पर भी जरूर लगाइए। व्यूटी रूटीन को चेहरे और गर्दन पर समान रूप से लागू करने से दोनों जगहों की त्वचा की रंगत में ज्यादा अंतर नहीं रहेगा।

## ताकि काली न पड़े गर्दन

गर्दन का काला पड़ना एक आम समस्या है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिनमें हार्मोन्स में बदलाव, सूरज की रोशनी में अधिक रहना, मोटापा, खराब हाइजीन, कैमिकल युक्त कॉस्मेटिक, प्रदूषण या कुछ त्वचा संबंधी समस्या हो सकती है। कई बार गर्दन का कुछ खास तरीकों से काला पड़ना, आपकी सेहत संबंधी समस्याओं की ओर इशारा करता है। इसके लिए आपको चिकित्सीय मार्गदर्शन की जरूरत पड़ेगी, लेकिन सामान्य तौर पर काली पड़ने वाली गर्दन का उपचार आध घर पर ही कर सकती हैं।

■ तरबूज और शहद के मिश्रण से गर्दन में मसाज करें।  
■ विटामिन-ई युक्त क्रीम लगाने से भी राहत मिलेगी। रात में सोने से पहले इस क्रीम से मालिश करें।  
■ दूध में केसर डालकर लगाने से कुछ ही हफ्तों में कालापन दूर होगा और त्वचा को नमी भी मिलेगी।  
■ 'एपल साइडर विनिगर' में थोड़ा पानी मिलाकर उसमें रुई भिगोकर गर्दन पर रगड़ें। टैन, धब्बे और डेड स्किन से निजात मिलेगी।  
■ हल्दी और गुलाब जल को मिलाकर लेप लगाने से भी गर्दन की खूबसूरती में निखार आएगा।

## RATE TARIFF

## राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR  
NATIONAL HINDI DAILY

## DISPLAY B&amp;W

Rs. 750/-

(Per Sq. cm)

## DISPLAY COLOR

Rs. 750/- +  
50% Extra

(Per Sq. cm)

## CLASSIFIED DISPLAY

Rs. 75/-

(Per Sq. cm)

Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

## CLASSIFIED Run On words

Rs. 15/-

(Per Word)

Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area  
Delhi NCR  
&  
Western U.P.

## Special Page / Position Premium

|                    |   |     |                         |   |     |                      |   |     |
|--------------------|---|-----|-------------------------|---|-----|----------------------|---|-----|
| Front Page (Semi)  | - | 50% | Island Position         | - | 50% | Strip Advt.          | - | 15% |
| Front Page (Solus) | - | 75% | Right Hand Page         | - | 10% | Political Advt.      | - | 50% |
| Back Page          | - | 25% | Top of AD Column        | - | 15% | Pull Outs            | - | 50% |
| Page Three         | - | 20% | Any Other Spl. Position | - | 10% | Discount as per deal |   |     |

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)

Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001

Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/



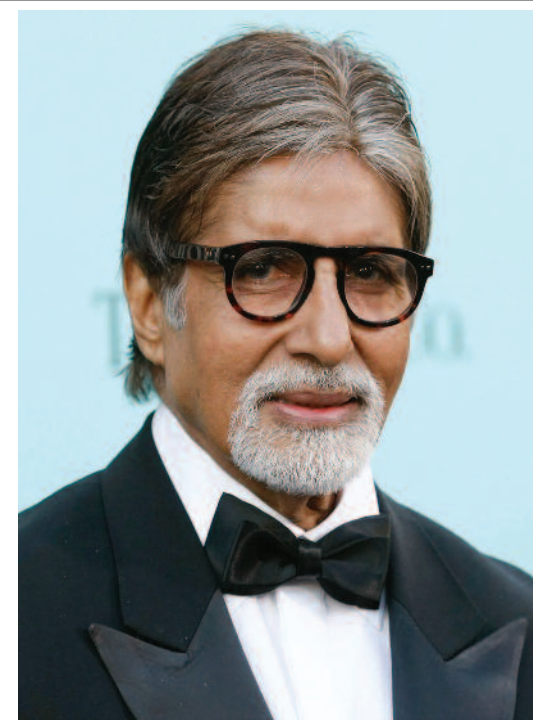


## फिल्म ओम में दमदार पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगी अभिनेत्री साई पल्लवी

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म ओम को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है। इस फिल्म में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार धनुष और मलयालम सिनेमा के महानायक ममूटी मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसी बीच निर्माताओं ने फिल्म की प्रमुख अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार से पर्दा हटाकर प्रशंसकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। साई पल्लवी इस फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की एक जांबाज और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। इस घोषणा के बाद से ही साई पल्लवी के नए और सख्त अवतार को देखने के लिए दर्शकों की बेताबी साफ नजर आ रही है। दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की मौजूदगी भी इस प्रोजेक्ट को और अधिक भव्य और प्रासंगिक बनाती है। फिल्म के शीर्षक के साथ चैप्टर 1 जोड़ा गया है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि यह एक बहुस्तरीय कहानी है और भविष्य में इसका सीक्वल भी दर्शकों के सामने आ सकता है। कुछ समय पहले जारी किए गए झलक वीडियो (टीजर) से यह साफ हुआ था कि फिल्म की मुख्य कहानी जंगलों में अवैध रूप से लाल चंदन की कटाई करने वाले मजदूरों और उनके संघर्षपूर्ण जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में धनुष एक लकड़हारे की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी में मुख्य मोड़ तब आता है जब पुलिस अधिकारी अवैध कटाई में शामिल मजदूरों को हथियार के बल पर बंदी बना लेते हैं और धनुष उनके रक्षक बनकर सामने आते हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी मेकर्स ने काफी सूझबूझ से निर्णय लिया है। पहले इस फिल्म को अक्टूबर महीने में प्रदर्शित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन अभिनेता धनुष ने सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए अपनी फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया। इसके साथ ही, दिवाली के अवसर पर अन्य बड़ी फिल्मों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह के व्यावसायिक टकराव से बचने के लिए निर्माताओं ने 20 नवंबर की तिथि को अंतिम रूप दिया है। धनुष और ममूटी जैसे दो विशाल अभिनेताओं का पहली बार एक साथ किसी प्रोजेक्ट में काम करना इस फिल्म को इस साल की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में शामिल करता है।

## लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में रसिका

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म के संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में भले ही तकनीक के सहारे बड़े बजट और भव्य सेट वाली फिल्में बन रही हों, लेकिन आम जिंदगी से जुड़ी सीधी और सरल कहानियों की अपनी एक अलग अहमियत होती है। फिल्म की कहानी एक छोटे बच्चे थॉमस की बाल सुलभ जिज्ञासा और उसकी मासूमियत के इर्द-गिर्द घूमती है। वह जानना चाहता है कि बच्चे कहाँ से आते हैं और अपने लिए एक भाई या बहन की चाहत रखता है। रसिका दुग्गल के अनुसार, बच्चों के सवाल और उनकी उत्सुकता को कभी कम नहीं आकना चाहिए। दुनिया को बच्चों के नजरिए से देखना एक बेहद खूबसूरत अनुभव है। इस फिल्म में बचपन, पारिवारिक रिश्तों और वैवाहिक जीवन के उतार-चढ़ाव को सहज ढंग से दर्शाया गया है।



## अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने एक महत्वपूर्ण संदेश किया साझा

विभिन्न लोकप्रिय धारावाहिकों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने वाली अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने देश में सामाजिक सौहार्द, शांति और धार्मिक एकता बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश साझा किया है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने धर्म से सच्चा प्रेम करें, लेकिन साथ ही दूसरों के धार्मिक अकीदों और आस्थाओं का भी पूरा सम्मान करें। अपने बयान में अभिनेत्री ने हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों में हुए विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रतिकूल प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि त्योहारों के व्यस्त सीजन के दौरान ऐसे प्रदर्शनों के कारण व्यापारिक गतिविधियों को लगभग 3000 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है, जो एक विकासशील देश के लिए काफी चिंताजनक है। पवित्रा पुनिया ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि कई लोग बुनियादी तथ्यों को समझे बिना ऐसी आर्थिक समस्याओं और आंकड़ों का सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाते हैं। उन्होंने देश की जमीनी हकीकत पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जब कोई आम नागरिक दो वक्त की रोटी के लिए कड़ा संघर्ष कर रहा हो, तब इस तरह के गतिरोध देश के हित में नहीं हो सकते। उन्होंने युवा पीढ़ी (जेन जी) का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर सक्रिय कुछ प्रभावकारियों (इन्फ्लुएंसर्स) द्वारा फैलाई जा रही मनगढ़ंत बातों और भ्रामक जानकारीयों से युवाओं को बचना चाहिए। युवाओं में अपार क्षमता और ज्ञान है, इसलिए उन्हें किसी के बहकावे में आकर अपनी सोच को दूषित नहीं करना चाहिए। एक सनातनी हिंदू होने पर गर्व व्यक्त करते हुए पवित्रा ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी भी अन्य समुदाय या धर्म के लोगों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने भारत के सामाजिक ताने-बाने को याद दिलाते हुए कहा कि बांटो और राज करो की विभाजनकारी सोच कुछ स्वार्थी तत्वों की देन है, जो देश की मूल भावना के विपरीत है। अपने व्यक्तिगत जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके आसपास कई मुस्लिम परिवार रहते हैं और सभी लोग आपस में प्रेम, भाईचारे और शांति के साथ मिलकर रहते हैं। भारत की असली ताकत उसकी सांस्कृतिक विविधता और एकता का अनूठा बंधन है, जिसे हर कीमत पर सुरक्षित और अक्षुण्ण रखा जाना चाहिए।



# फिल्म सेट पर महिलाओं के मतभेद की धारणा को राधिका आप्टे ने बताया गलत

डिजिटल क्रिएटर से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

बॉलीवुड की बहुमुखी अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही आगामी डिजिटल वेब सीरीज अक्का में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में उनके साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में इस सीरीज के प्रचार के सिलसिले में बात करते हुए राधिका आप्टे ने फिल्म सेट पर महिला कलाकारों के आपसी संबंधों को लेकर वर्षों से चली आ रही रूढ़िवादी धारणाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने उस प्रचलित सोच को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिसमें यह दावा किया जाता है कि जब दो महिला कलाकार किसी प्रोजेक्ट में एक साथ काम करती हैं, तो उनके बीच अवसर अनबन, मनमुटाव या झगड़े होते हैं। राधिका आप्टे का मानना है कि किसी भी कार्यस्थल का माहौल किसी व्यक्ति के लिंग से तय नहीं होता, बल्कि यह लोगों के आपसी तालमेल और व्यवहार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद पुरानी और आधारहीन सोच है कि महिलाएं आपस में तालमेल नहीं बैठा पातीं। अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि कई बार पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक असुरक्षा की भावना देखी जाती है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुद्दा पुरुष या महिला होने का नहीं है, बल्कि यह विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत संबंधों और आपसी समझ का विषय है। किसी भी क्षेत्र में आप कुछ लोगों के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं और आसानी

से घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ लोगों के साथ आपका मानसिक तालमेल नहीं बैठ पाता। वेब सीरीज अक्का के शूटिंग सेट का अनुभव साझा करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वहां का माहौल अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक था। सेट पर कैमरे के सामने काम करने वाली स्टारकास्ट और कैमरे के पीछे काम करने वाली तकनीकी टीम में महिलाओं और पुरुषों की लगभग समान भागीदारी थी। उन्होंने कहा कि सेट पर एक बहुत ही खूबसूरत सिस्टरहुड यानी बहनो जैसा माहौल था, जिसने पूरी शूटिंग प्रक्रिया को बहुत सहज और आनंददायक बना दिया। इसके साथ ही राधिका आप्टे ने यह भी रेखांकित किया कि काम के सिलसिले में किसी के साथ अच्छा तालमेल होने का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप उनके बहुत गहरे मित्र बन जाएं। बिना करीबी दोस्त बने भी एक पेशेवर और गरिमापूर्ण माहौल में बेहतरीन काम किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि वेब सीरीज अक्का एक थ्रिलर गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें महिलाओं को मुख्यधारा में दिखाया गया है। इस सीरीज का निर्देशन धर्मराज शेड्डी ने किया है, जो इस शो के लेखक भी हैं। यह कहानी 1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक काल्पनिक दुनिया को दर्शाती है, जिसे पीढ़ियों से महिलाओं ने ही बनाया, चलाया और संरक्षित रखा है। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज 30 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है।

## इंडो-रशियन फिल्म से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कदम रखेंगी सैयामी खेर, भाषा की सीमाओं से परे जा किया काम



फिल्म का निर्देशन रूसी निर्देशक मैक्सिम कुजेनेत्सोव कर रहे हैं। सैयामी इससे पहले निर्देशक प्रियदर्शन की बहुचर्चित क्राइम थ्रिलर फिल्म हैवान में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में थे।

अभिनेत्री सैयामी खेर जल्द ही एक इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म के जरिए अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में अपना पदार्पण करने जा रही हैं। इस अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट के अपने अनुभवों को साझा करते हुए सैयामी ने बताया कि एक विदेशी कृ के साथ मॉस्को में शूटिंग करना उनके लिए बेहद नया और रोमांचक अनुभव था। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के लोगों के साथ काम करने से कहानी को देखने और समझने का एक नया वैश्विक नजरिया मिलता है। सैयामी खेर के अनुसार भाषा और देश की सीमाओं से परे जाकर काम करना किसी भी कलाकार के लिए सीखने का बहुत बड़ा अवसर होता है। हालांकि उन्होंने फिल्म की विस्तृत कहानी का खुलासा नहीं किया, लेकिन बताया कि यह एक मजबूत महिला चरित्र पर आधारित गहन ड्रामा फिल्म होगी। इस



## मां बनने के बाद शरीर में आए बदलावों और मानसिक संघर्ष पर करिश्मा तन्ना का छलका दर्द

हाल ही में मातृपद प्राप्त करने वाली मशहूर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में होने वाले प्राकृतिक बदलावों और उससे जुड़ी मानसिक चुनौतियों पर बेहद संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया है कि एक नन्हें शिशु को जन्म देने के बाद अपने बदले हुए शरीर को स्वीकार करना और उसके साथ सामंजस्य बिटाना कभी-कभी काफी कठिन और थकाऊ साबित होता है। अभिनेत्री ने अपने दिल के उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार उन्हें गर्भावस्था से पहले वाले अपने सुगठित शरीर की बेहद याद आती है। जब भी वह आईने के सामने खड़ी होती हैं, तो पेट का ढीलापन, त्वचा में आई शिथिलता और शारीरिक आकार में आए बदलाव उन्हें स्पष्ट नजर आते हैं। कपड़े खरीदने या तैयार होने की इच्छा भी ऐसे समय में अक्सर खत्म हो जाती है, जो किसी भी नई मां के लिए मानसिक रूप से काफी भारी पड़ सकता है। हालांकि, करिश्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी स्थितियों में खुद के प्रति कठोर होने के बजाय दयालुता का भाव रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने खुद को यह याद दिलाया कि उनके शरीर ने एक नए जीवन को जन्म दिया है और उसके विकास के लिए नौ महीनों तक सुरक्षित माहौल प्रदान किया है। शिशु के जन्म को अभी केवल ढाई महीने का समय ही बीता है, ऐसे में इतनी जल्दी पुरानी शारीरिक संरचना को वापस पाने की उम्मीद लगाना बेमानी है। करिश्मा का मानना है कि एक महिला एक ही समय में मां बनने के सुखद अनुभव के प्रति आभारी भी हो सकती है और साथ ही अपने पुराने स्वरूप को खोने का दर्द भी महसूस कर सकती है। यह दोनों भावनाएं बिल्कुल स्वाभाविक हैं और इन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि जिस कोमलता और प्रेम की हकदार माएं अपने बच्चों को मानती हैं, वही कोमलता उन्हें खुद अपने प्रति भी दिखानी चाहिए। वे अब अपनी शारीरिक बनावट की आलोचना करने के बजाय अपने शरीर को ठीक होने, मजबूत बनने और पुनः सहज महसूस करने का पूरा समय दे रही हैं। उन्होंने अन्य सभी माताओं को सांत्वना देते हुए कहा कि वे इस मानसिक और शारीरिक सफर में बिल्कुल अकेली नहीं हैं। गौरतलब है कि करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगेरा ने इस वर्ष अप्रैल में अपने पहले बच्चे के आगमन की खुशखबरी साझा की थी, जिसके बाद जुलाई में उनके घर एक सुंदर बेटे का जन्म हुआ।

## परिणीति के समर्थन में उतरीं जेनिफर

वेब सीरीज शक : ट्रस्ट नो वन की सफलता के उपलक्ष्य में आयोजित एक पार्टी के दौरान का वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने के बाद अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। वायरल वीडियो में ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे परिणीति ने अपनी सह-कलाकार जेनिफर विंगेट को फोटो विलक कराने के दौरान नजरअंदाज किया। अब इस विवाद पर खुद जेनिफर विंगेट ने चुप्पी तोड़ी है और परिणीति चोपड़ा का समर्थन करते हुए सभी तरह की अफवाहों और ट्रोलिंग को खारिज कर दिया है। जेनिफर विंगेट ने स्पष्ट किया कि उनके और परिणीति के बीच किसी भी प्रकार की अनबन नहीं है। उन्होंने बताया कि पार्टी के दौरान मंच पर जगह की कमी थी, जिसके कारण वे स्वयं पीछे हट गई थीं। परिणीति हमेशा उनके प्रति बहुत ही दयालु और सम्मानजनक रही हैं। जेनिफर ने लोगों से अपील की कि वे इस साधारण सी बात को गलत रूप देकर नकारात्मकता न फैलाएं।



# अमिताभ बच्चन ने पारंपरिक अंधविश्वासों पर उठाए सवाल कहा- आधुनिक पीढ़ी मानती है केवल वैज्ञानिक तर्क

भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन अक्सर अपने विचारों और अनुभवों को अपने व्यक्तिगत ब्लॉग के माध्यम से प्रशंसकों के साथ साझा करते रहते हैं। अपने एक हालिया ब्लॉग पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने समाज में गहराई से रची-बसी पुरानी परंपराओं, मान्यताओं और अंधविश्वासों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकांश लोग बिना किसी तर्क या अर्थ को समझे केवल पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही प्रथाओं का पालन करते आ रहे हैं। अपने इस लेखन में उन्होंने इस बात पर गहराई से प्रकाश डाला कि किस प्रकार समय बीतने के साथ इसान की व्यक्तिगत इच्छाएं,

सोच और जीवन को देखने का नजरिया पूरी तरह से बदल जाता है। ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि इसान के जीवन में एक ऐसा पड़ाव भी आता है जब वह उन सभी चीजों को दोबारा करना चाहता है, जिनसे उसे अतीत में रोका गया था। उन्होंने जीवन के बदलते चक्र का वर्णन करते हुए कहा कि एक समय में इसान पूरी तरह से बेफिक्र होता है और फिर जीवन के उत्तरार्ध में वह दोबारा उसी बेफिक्री को पाना चाहता है। इसान का दिमाग कई बार अजीब तरह से निर्णय लेता है, लेकिन यह प्रक्रिया इसान को एक अलग प्रकार का मानसिक सुकून भी प्रदान करती है। परंपराओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने

शनिवार को नाखून न काटने जैसी मान्यताओं का उदाहरण दिया। उन्होंने लिखा कि शनिवार को नाखून न काटने को अशुभ माना जाता है और यह प्रथा केवल अनादर डर के कारण आज भी समाज में अपनी जगह बनाए हुए है। इसके साथ ही उन्होंने रत्नों से जुड़े अंधविश्वासों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने लिखा कि लोग कहते हैं कि हरा पत्थर मत पहनो, बल्कि उसकी जगह एक हरे रंग की शॉल अपने पास रख लो। इस पर सवाल उठाते हुए अमिताभ बच्चन ने पूछा कि उस निर्दोष पत्थर ने किसी का क्या बिगाड़ा है और पास में रखी हरी शॉल किसी व्यक्ति के लिए किस प्रकार लाभदायक साबित हो

सकती है। इन खोखले तर्कों पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि डर के कारण लोग आज्ञाकारी बनकर इन प्रथाओं को स्वीकार करते रहते हैं। हालांकि, महानायक ने यह भी स्वीकार किया कि आज की आधुनिक पीढ़ी अंधविश्वासों को आंख मूंदकर स्वीकार नहीं करती है। वर्तमान पीढ़ी किसी भी प्रथा को अपनाने से पहले उसके पीछे के वैज्ञानिक, शारीरिक और मानसिक कारणों को समझती है। आज के युवा केवल उन्हीं परंपराओं और जीवनशैली को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाते हैं, जिनसे उनके स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार हो सके।

अमेरिका की न्यूक्लियर लैब में आग से हड़कंप, इमरजेंसी घोषित



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के साउथ कैरोलिना राज्य में एक बड़े न्यूक्लियर सेंटर की लैब में आग लगने के बाद इमरजेंसी घोषित कर दी गई. यह आग एकेन शहर के पास स्थित सवाना रिवर साइट परिसर की सवाना रिवर नेशनल लेबोरेटरी में लगी. अधिकारियों के मुताबिक, आग शाम 5 बजकर 39 मिनट पर लगी. इसके बाद आपातकालीन कार्रवाई शुरू की गई, करीब दो घंटे बाद आग बुझा दी गई. अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित इमारत के बाहर रेडियोएक्टिव मटेरियल फैलने की कोई सूचना नहीं है. एहतियात के तौर पर केंद्र के एंट्री पॉइंट बंद कर दिए गए हैं और बाहर से आने वाले वाहनों को रोक दिया गया है. लैब के आसपास रेल, नदी और हवाई रास्तों से होने वाली आवाजाही पर भी रोक लगाई गई है. घटना से प्रभावित इलाकों में मौजूद जिन कर्मचारियों की जरूरत आग बुझाने या केंद्र को बंद करने के काम में नहीं है, उन्हें अपनी जगह पर ही सुरक्षित रहने का निर्देश दिया गया है. केंद्र के अधिकारी हालात सभालने की कार्यवाई की निगरानी कर रहे हैं. राज्य और स्थानीय प्रशासन की संबंधित एजेंसियों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है. स्थानीय लोगों को सलाह दी गई है कि वे रेडियो और टीवी पर खबरों के जरिए ताजा जानकारी लेते रहें.

**स्पेन में दूने हादसे के बाद लोगों का गुस्सा भड़का:पुलिस पर बोटलें-पटाखे फेंके, परिवहन मंत्री से इस्तीफा मांग रहे**

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में बुधवार दो हाईस्पीड ट्रेनों की टक्कर में 68 लोगों की मौत के बाद लोगों का गुस्सा भड़क गया है। सैकड़ों लोगों ने राजधानी मैड्रिड में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने परिवहन मंत्री ऑस्कर पुर्ते के इस्तीफे की मांग की है। कुछ लोगों ने उन्हें ‘मौत का मंत्री’ तक कहा। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। लोगों ने पुलिस पर बोटलें और पटाखे फेंके। वहीं पुलिस ने भी प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए बल का प्रयोग किया। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक रेल सुरक्षा सिस्टम में खराबी आई थी जिसके बाद कंट्रोल सेंटर ने एक ट्रेन को दोबारा चलने की इजाजत दी। आगे पटरी पर खड़ी दूसरी ट्रेन से उसकी टक्कर हो गई। लेकिन सिक्नल सिस्टम की खराबी ही हादसे की असली वजह थी या नहीं, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही होगी। परिवहन मंत्री ऑस्कर पुर्ते ने भी कहा है कि जांच के बाद हादसे की असली वजह सामने आएगी और जिम्मेदारी तय हो सकेगी।

**अमेरिका ने रवांडा के रक्षा मंत्रालय पर लगाए प्रतिबंध, पूर्वी कांगो संघर्ष में दखल का आरोप**

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने पूर्वी कांगो में जारी संघर्ष में रवांडा की भूमिका को लेकर उसके रक्षा मंत्रालय पर प्रतिबंध लगा दिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की शांति की कोशिशों के बावजूद कांगो की सरकार और रवांडा संमर्थित एम23 विद्रोहियों के बीच लड़ाई जारी है। ये प्रतिबंध पिछले साल के अंत में वाशिंगटन में कांगो के राष्ट्रपति फेलियस त्शिसेकेदी और रवांडा के राष्ट्रपति पॉल कागमे के बीच हुए शांति समझौते के बाद लगाए गए हैं। इस समझौते पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए थे। हालांकि, अब तक इन कोशिशों का जमीनी हालात पर बहुत कम असर पड़ा है और संघर्ष जारी है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि वह रवांडा के रक्षा मंत्रालय पर प्रतिबंध लगा रहा है। मंत्रालय के मुताबिक, रवांडा ने पूर्वी कांगो के उत्तरी किंगु और दक्षिणी किंगु प्रांतों में हजारों सैनिक तैनात किए हैं। ये सैनिक एम23 के साथ मिलकर अभियान चलाते हैं और इस सशस्त्र समूह को सैन्य उपकरण, जरूरी सामान, लॉजिस्टिक मदद और प्रशिक्षण मुहैया कराते हैं। बयान में कहा गया कि रवांडा के अधिकारियों ने युद्ध के मैदान में आधुनिक हथियार भी तैनात किए हैं। इनमें सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियां और संचार बाधित करने वाले उपकरण शामिल हैं। इससे पूर्वी कांगो में नागरिक विमानों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। एम23 उन करीब 100 सशस्त्र समूहों में से एक है, जो रवांडा की सीमा से लगे खनिज संपदा से भरपूर पूर्वी कांगो में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

**वीजा धोखाधड़ी पर नकेल: उपराष्ट्रपति वेंस बोले- अमेरिकी वर्कर्स को हटाकर विदेशियों को रखना बर्दाश्त नहीं**

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें वीजा धोखाधड़ी से निपटने और उन नियोक्ताओं को चुनौती देने का अधिकार दिया है, जो अमेरिकी कर्मचारियों की जगह कम वेतन वाले विदेशी कर्मचारियों को काम पर रख रहे हैं। उन्होंने उत्तरी कैरोलिना में अपने चुनावी भाषण में नौकरियों की सुरक्षा को मुख्य मुद्दा बनाया। किस्टन में मध्यावधि चुनाव रैली में, वेंस ने वीजा नियमों के सख्ती से पालन को प्रशासन के उस व्यापक तर्क से जोड़ा, जिसके अनुसार सरकार को अमेरिकी कामगारों और घरेलू निवेश को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने न

**नेतन्याहू बहुमत से दूर, फिर भी सरकार बना सकते हैं**

**अरब पार्टियों की भी जरूरत नहीं; आइजनकोट के पास भी सत्ता में आने के 3 रास्ते**

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल में 90 प्रतिशत से ज्यादा वोटों की गिनती पूरी हो गई है। इसके बाद भी सरकार बनाने का रास्ता साफ नहीं हो पाया है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और विपक्षी नेता गादी आइजनकोट, दोनों के गठबंधन बहुमत से दूर हैं। इजराइली संसद में 120 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए कम से कम 61 सीटें चाहिए। हालांकि, नेतन्याहू इससे कम सीटें होने पर भी सरकार बना सकते हैं। इसके लिए उन्हें 19 सीटों के साथ किंगमेकर बनकर उभरी अरब पार्टियों की जरूरत भी नहीं है। नेतन्याहू को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रहे गादी आइजनकोट गठबंधन की उम्मीदें भी कायम है। 48 सीटों में आगे चल रहे इस गठबंधन के पास सरकार बनाने के 3 रास्ते हैं।

**विपक्षी खेमे के सांघर्षों का समर्थन जुटाना :** नेतन्याहू विपक्षी गठबंधन में शामिल किसी पार्टी या उसके कुछ सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें सरकार में शामिल होने का प्रस्ताव देने या उनकी कुछ मांगें मानने की जरूरत पड़ सकती है। अगर विपक्षी खेमे के कुछ सांसद विश्वास मत में नेतन्याहू का समर्थन करते हैं या मतदान से दूर रहते हैं, तो उनके लिए सरकार बनाना का रास्ता आसान हो सकता है। हालांकि, विपक्षी नेताओं ने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का लक्ष्य रखा था। इसलिए उनके किसी सहयोगी का नेतन्याहू के पक्ष में जाना राजनीतिक रूप से मुश्किल हो सकता है। अभी किसी खास विपक्षी नेता के पाला



बदलने की पुष्टि नहीं हुई है।

**राष्ट्रीय एकता सरकार बनाना :**

नेतन्याहू दूसरी पार्टियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की कोशिश भी कर सकते हैं। इसमें उनके मौजूदा दक्षिणपंथी और धार्मिक सहयोगियों के साथ विश्व के कुछ नेता भी शामिल हो सकते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट या गादी आइजनकोट जैसे नेताओं की भूमिका इस विकल्प में अहम हो सकती है। लेकिन इसके लिए प्रधानमंत्री पद, सैन्य सेवा से जुड़े नियमों और दूसरी नीतियों पर समझौता करना होगा। आइजनकोट और नेतन्याहू के बीच राजनीतिक मतभेद इस रास्ते की बड़ी बाधा हैं। इसके अलावा, नेतन्याहू के अति-दक्षिणपंथी सहयोगियों को भी विपक्षी नेताओं के साथ सत्ता साझा करना मंजूर होना जरूरी नहीं है।

**अल्पमत सरकार चलाना :** तीसरा विकल्प ऐसी सरकार बनाना है, जिसके पास अपने गठबंधन में 61 सीटें न हों, लेकिन वह विश्वास मत

**मॉस्को के पास यूक्रेन के ड्रोन हमले, रूसी सेना**

**ने कई मानवरहित विमानों को मार गिराया**

**मॉस्को , एजेंसी।** रूस की राजधानी मॉस्को की ओर बढ़ रहे करीब 30 मानवरहित हवाई विमानों (यूएवी) को रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने नष्ट कर दिया। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने रूसी मीडिया को यह जानकारी दी। मेयर ने बताया कि रोकें गए ड्रोन के मलबे गिरने वाली जगहों पर आपातकालीन सेवाओं की टीमें काम कर रही हैं।

रूसी समाचार वेबसाइट इजबैस्टिया के अनुसार, नई वायु रक्षा प्रणालियों के कारण यूक्रेनी सशस्त्र बलों को अपने ड्रोन के रास्ते बदलने पड़ रहे हैं। ये प्रणालियां हवाई लक्ष्यों को रोकने से पहले ही विरोधी पक्ष की रणनीति को प्रभावित करने में सक्षम हैं। इससे पहले 15 ड्रोन को नष्ट किए जाने के बाद राजधानी की ओर बढ़ रहे 10 अन्य ड्रोन को भी वायु रक्षा प्रणालियों ने रोक लिया। इस बीच, रूस की संघीय हवाई परिवहन एजेंसी रोसावियासिया ने क्षेत्र के चार प्रमुख हवाई अड्डों में से तीन पर डड़नों को लेकर प्रतिबंध लगा दिए। इनमें वनूकोवो, डोमोडेडोवो और झुकोवस्की हवाई अड्डे शामिल हैं। झुकोवस्की में

प्रतिबंध हटा दिए गए हैं, जबकि अन्य दो हवाई अड्डों पर अस्थायी पाबंदियां अभी लागू हैं। कीव इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, मॉस्को क्षेत्र के निवासियों ने राजधानी से करीब 50 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित नारो-फोमिस्क शहर के पास कई धमाकों की आवाज सुनने की जानकारी दी।

**इस्त्राइल में यहूदी-अरब सरकार बनाने की मांग को लेकर तेल अवीव समेत कई जगहों पर प्रदर्शन**
**: तेल अवीव , एजेंसी।** इस्त्राइल में यहूदी-अरब सरकार बनाने की मांग को लेकर सैकड़ों लोगों ने तेल अवीव, यरशलकम और हड़फा में प्रदर्शन किया। इस्त्राइली दैनिक समाचार पत्र हारेत्ज के अनुसार, यरशलकम के पेरिस स्वाय्कार, तेल अवीव के मेसिला पार्क और हड़फा के यूनेस्को स्क्वायर में करीब 300 लोग जुटे। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में ऐसे कार्ड प्रमुख हवाई अड्डों में से तीन पर डड़नों को लेकर प्रतिबंध लगा दिए। इनमें वनूकोवो, डोमोडेडोवो और झुकोवस्की हवाई अड्डे शामिल हैं। झुकोवस्की में नारे लिखे थे।

**ईरान पर हमले की तैयारी के बीच हेगसेथ की बड़ी कार्रवाई, पेंटागन के शीर्ष जनरल के पद से हटाय़ा**

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की चर्चा के बीच रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने सेना के वरिष्ठ अधिकारी लेफ्टनेंट जनरल ब्रेट सिल्विया को उनके पद से हटा दिया है। वह जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ में रणनीति, योजना और नीति से जुड़े अहम पद पर तैनात थे। रक्षा विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक, उन्हें हटाने की वजह नहीं बताई गई है और उनकी जगह किसी नए अधिकारी की नियुक्ति भी नहीं हुई है।

**32 साल की सेवा के बाद पद से हटाए गए सिल्विया :** सिल्विया से पहले इस पद पर रहे लेफ्टनेंट जनरल जोसेफ मैक्गी को भी पिछले साल अक्टूबर में रिटायर होना पड़ा था। इस घटनाक्रम की खबर सबसे पहले द अटलांटिक में दी थी। जॉइंट स्टाफ के प्रवक्ता ने सिल्विया और उनके परिवार के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने देश की 32 साल



तक सेवा की है। हालांकि, उन्हें हटाने के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की गई। **ईरान पर हमले की चर्चा के बीच फैसला :** सिल्विया को ऐसे समय में हटाय़ा गया है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ नए सैन्य अभियान पर विचार कर रहे हैं। इजरायल के साथ युद्ध शुरू होने के बाद ट्रंप कई ईरान के खिलाफ अभियान पूरा करने की बात कह चुके हैं। उन्होंने संकेत दिया है कि

मध्यावधि चुनावों के बाद ईरान पर दोबारा हमले किए जा सकते हैं। हालांकि, इस बारे में अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। मामलों की जानकारी रखने वाले दो राजनयिकों के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने मध्य पूर्व के कई देशों और क्षेत्रीय सहयोगियों से संधिगित सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्हें ईरान की ओर से जवाबी हमले की आशंका को लेकर भी सतर्क किया गया है। इस बीच, अमेरिका का तीसरा विमानवाहक पोत और हजारों अतिरिक्त सैनिक भी क्षेत्र की ओर बढ़ रहे हैं।

**सैन्य रणनीति बनाने में अहम थी सिल्विया की भूमिका :** जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ में छुट्टे विभाग अमेरिकी सेना की रणनीति और सैन्य योजनाएं तैयार करने में अहम भूमिका निभाता है। यह विभाग सैन्य अभियानों की योजना बनाने और सेना के शीर्ष

अधिकारियों के बीच तालमेल स्थापित करने का काम करता है। इससे पहले सिल्विया कैंटकी के फोर्ट कैपबेल में 101वीं एयरबोर्न डिवीजन के कमांडर थे। वह छुट्टे के उपनिदेशक के रूप में भी काम कर चुके हैं। हेगसेथ के कार्यकाल में बड़े बदलाव रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के कार्यकाल में अब तक करीब दो दर्जन जनरल, एड्मिरल और अन्य वरिष्ठ सैन्य अधिकारी पद छोड़ चुके हैं या उन्हें हटाय़ा गया है। इनमें सेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। ज्यादातर मामलों में पेंटागन ने सार्वजनिक तौर पर कोई स्पष्ट वजह नहीं बताई है। हेगसेथ ने पिछले महीने शीर्ष सैन्य अधिकारियों के पदों में कटौती तेज करने का आदेश दिया था। योजना के मुताबिक, 1 जनवरी 2027 तक जनरल और फ्लैग ऑफिसर स्तर के पदों में 20 फीसदी की कमी की जानी है। फिलहाल ऐसे करीब 800 पद हैं।

**‘मैं कारोबारी समुदाय को यह संदेश देना चाहता हूँ कि अगर आप हमारे साथ मिलकर काम करने और अमेरिकी कामगारों में निवेश करने को तैयार हैं, तो हम आपके सबसे बड़े समर्थक बनेंगे।’** लेकिन अगर आप अमेरिकी नौकरियों को विदेशों में ले जाना चाहते हैं, तो हम पूरी ताकत से आपका विरोध करेंगे, क्योंकि अमेरिकी नौकरियां अमेरिकी कामगारों को ही मिलनी चाहिए। ‘

उन्होंने इन दोनों बातों को राष्ट्रीय संप्रभुता से जोड़ते हुए कहा कि चुने हुए नेताओं को अमेरिकी नागरिकों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। साथ ही, उन्हें कुंघि, विनिर्माण (मैन्यूफैक्चरिंग) और सशस्त्र बलों में काम करने वाले

लोगों की आजीविका की रक्षा करनी चाहिए। वेंस ने पहले के राजनीतिज्ञ नेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने विदेशों में उत्पादन को बढ़ावा दिया, जिसकी वजह से ओहियो के उस कस्बे जैसे इलाकों को नजरअंदाज कर दिया गया, जहां वह पते-बढ़े थे। उनकी ये बातें वाशिंगटन में रिपब्लिकन पार्टी की सत्ता बनाए रखने के लिए उनके चुनावी अभियान का हिस्सा थीं।

उन्होंने ओहियो के मिडलटाउन में एक स्टील मिल में यूनिनन वेल्डर के तौर पर काम करने वाले अपने दादा को याद किया और बताया कि अमेरिकी स्टील से बनी गाड़ियों पर उनके दादा को कितना गर्व होता था।

**अमेरिका में संघ की पहुंच बढ़ाएगा**

**आरएसएस फ्रेंड्स: विदेशी एजेंट**

**के रूप में कराया पंजीकरण**

**वाॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के समर्थकों के एक समूह ‘आरएसएस फ्रेंड्स’ ने अमेरिकी न्याय विभाग में विदेशी एजेंट के रूप में पंजीकरण कराया है। समूह का उद्देश्य अमेरिका में संघ के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उसके संबंध में गलत, अधूरी या संदर्भ से हटकर दी गई जानकारी को जवाब देना है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, आरएसएस फ्रेंड्स ने 27 अगस्त को विदेशी एजेंट पंजीकरण अधिनियम (एफएआरए) के तहत पंजीकरण कराया। पंजीकरण दस्तावेज में समूह ने जॉर्जिया का एक पता दिया है। उसने नई दिल्ली के केशव कुंज स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अपना विदेशी प्रमुख बताया है।

**गलत और अधूरी जानकारी का जवाब देना भी उद्देश्य :** आरएसएस फ्रेंड्स ने अपनी प्रस्तावित गतिविधियों में ऐसी जानकारी को ठीक करना या उसका जवाब देना भी शामिल किया है, जिसे समूह संघ के बारे में गलत, अधूरा या जरूरी संदर्भ से रहित मानता है। समूह ने कहा कि आरएसएस के साथ उसका कोई लिखित रोजगार, परामर्श, लिंबिंग, जनसंपर्क या एजेंसी समझौता नहीं है, जिसमें काम का स्पष्ट विवरण, भुगतान या संचालन संबंधी विस्तृत निर्देश तय किए गए हों। हालांकि, समूह ने यह भी स्पष्ट किया कि

लिखित समझौते का नहीं होना इस बात का प्रमाण नहीं है कि दोनों के बीच कोई संबंध, अनुरोध, समझ, समन्वय, अनुमति या निर्देश नहीं है। उसने कहा कि वह अपनी गतिविधियों से जुड़े वास्तविक तथ्यों का खुलासा करेगा।

**शैक्षणिक और जनसंपर्क गतिविधियों पर जोर :** समूह के मुताबिक, उसकी प्रस्तावित गतिविधियां मुख्य रूप से सूचना देने, शिक्षा, जनसंपर्क और समुदाय से जुड़ाव पर केंद्रित होंगी। इसके तहत वह आम लोगों, पत्रकारों, मीडिया संस्थानों, शोधकर्ताओं, शैक्षणिक और नीति संस्थानों, सामुदायिक नेताओं तथा नागरिक समाज संगठनों से संवाद कर सकता है। लागू कानून के अनुरूप जरूरत पड़ने पर सरकारी एजेंसियों और अधिकारियों से भी संपर्क किया जा सकता है। आरएसएस फ्रेंड्स ने संघ को भारत में स्थित स्वयंसेवी और सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन बताया है। पंजीकरण दस्तावेज में राजेंद्र सोनारिकर, जयंत पंत और देवानंद गड्डम को समूह के निदेशक मंडल का सदस्य बताया गया है।

कार्यक्रमों में भागीदारी भी

प्रस्तावित गतिविधियों में शामिल समूह ने शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामुदायिक और सूचना संबंधी कार्यक्रम आयोजित करने या उनमें हिस्सा लेने को भी अपनी प्रस्तावित गतिविधियों में शामिल किया है।

**‘ब्राजील: इलेक्टोरल कोर्ट ने कहा, ‘चुनाव कानून और संविधान के अनुरूप हुए संपन्न’**



एजेंसी सिन्हूआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह बयान तब आया जब सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो ने एक खुले पद में चुनावी धांधली का आरोप लगाया। बता दें कि रिविवा को हुए राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर (रनऑफ) में बोल्सोनारो को मौजूदा राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्व्हा से हार का सामना करना पड़ा था।

बोल्सोनारो ने ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट (एसपीएफ) पर आरोप लगाया कि उसने मतदान का समय दो घंटे बढ़ाकर टीएसई के अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि मतदान

का समय बढ़ाने का आदेश आधिकारिक समापन समय के बाद दिया गया, जिससे मतदाताओं के साथ असमान व्यवहार हुआ। उन्होंने टीएसई की आलोचना करते हुए कहा कि उसने मतदान का समय बढ़ाने के फैसले का बचाव तो किया, लेकिन कोई ठोस या विश्वसनीय जवाब नहीं दिया। रिविवा को दोनों राष्ट्रपति उम्मीदवारों की इलेक्शन कैंपेन टीम ने बताया कि वोल्सई को मतदान केंद्रों तक पहुंचने में कठिनाई हुई, जिसके बाद एसटीएफ ने मतदान का समय शाम 7 बजे (2200 जीएमटी)

**अमेरिका पहुंचकर फ्लावियो बोल्सोनारो बोले -**

**चुनाव में धांधली हुई, मैं ब्राजील का असली नेता**

**मियामी , एजेंसी।** ब्राजील के सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो अमेरिका के मियामी पहुंच गए हैं. वहां पहुंचकर उन्होंने खुद को ब्राजील का असली नेता बताया. उन्होंने आरोप लगाया कि देश के सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्व्हा ने चुनाव में धांधली करके उन्हें सत्ता से दूर रखा. हालांकि, लूला ने चुनाव में करीब 45 लाख वोटों से जीत हासिल की है. फ्लावियो ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश को भी नहीं माना, जिसमें उन्हें अपने पासपोर्ट जमा करने को कहा गया था. उन्होंने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेजियर मिर्तेई को अमेरिका पहुंचने में मदद के लिए धन्यवाद दिया. साथ ही, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार जताया, जिन्होंने फ्लावियो और उनके परिवार को अमेरिका आने का वीजा दिया.

**पहले खुद को राष्ट्रपति बताया, फिर बदला बयान :** फ्लावियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक खुला लेटर पोस्ट किया. इसमें उन्होंने पहले खुद को निर्वाचित राष्ट्रपति बताया. बाद में उन्होंने यह पोस्ट हटा दी और नया लेटर जारी किया. इसमें उन्होंने खुद को ब्राजील का सही नेता बताया. उन्होंने कहा कि उनके 6 करोड़ समर्थकों और पूरे ब्राजील को जानना चाहिए कि वही देश के नेता हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी करने वाले लोग एक अपराधी संगठन का हिस्सा हैं, जिसने देश में तानाशाही कायम कर दी है. हालांकि, ब्राजील के संघीय चुनाव न्यायालय, कई देशों के नेताओं, अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने भी, फ्लावियो की अपनी पार्टी ने लूला की जीत को मान्यता दी है. चुनाव



आयोग के प्रमुख कासियो नूनेस मार्केस ने भी कहा कि चुनाव कानून और संविधान के नियमों के मुताबिक हुआ था. ट्रंप ने फ्लावियो के बयान पर कुछ कहने से इनकार किया. हालांकि, वह पहले ब्राजील के चुनाव को बहुत अजीब बता चुके हैं.

**चुनाव रद्द कराने की मांग पर सफलता की उम्मीद कम :** फ्लावियो ने चुनाव में धांधली का कोई सबूत नहीं दिया. उनका आरोप है कि लूला के समर्थन वाले सुप्रीम कोर्ट के एक जज ने रिविवा को मतदान का समय दो घंटे बढ़ा दिया था. लूला की पार्टी ने उत्तर-पूर्वी राज्यों में वोटरों को मतदान से रोकने की शिकायत की थी. दूसरी ओर, फ्लावियो की पार्टी ने भी बारिश के कारण दक्षिणी राज्यों में मतदान का समय बढ़ाने की मांग की थी. इस्पर के प्रोफेसर पेद्रो बुर्गोस के एनालिसिस के मुताबिक, एक्सपर्ट दो घंटों में 35 हजार से कम वोट पड़े. यह कुल वोटों का करीब 0.03 फीसदी था. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, चुनाव रद्द कराने की फ्लावियो की मांग सफल होने की संभावना बहुत कम है. फ्लावियो ने कहा कि वह ब्राजील से भागे नहीं, बल्कि खुद और परिवार को बचाने के लिए देश छोड़कर गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा \*

ईमेल -rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (\* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)

समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807

( PRGI No. - UPHIN/25/A0086 )